दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 234 | ग्वालियर सोमवार 31 अगस्त 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

पानी पानी हुआ मध्य प्रदेश नौ जिलों में वर्षा से भारी तबाही

बचाव में उतरी सेना, बाढ़ में फंसे कई लोगों को एयरलिफ्ट किया

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में भारी-बारिश और बाढ़ की वजह से हालात बेहद खराब हो गए हैं। बाढ़ ने राज्य के नौ जिलों के 394 से ज्यादा गांवों में भारी तबाही मचाई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएम मोदी को बाढ़ की स्थिति की पूरी जानकारी दी है। उन्होंने राज्य में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। अब तक सात हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। इस दौरान, छिंदवाड़ा में बाढ़ में फंसे 5 लोगों को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। होशंगाबाद, सीहोर और रायसेन जिले के कई गांव बाढ़ में घिरे हैं। यहां राहत कार्यो के लिए सेना को लगाया गया है।-भारतीय वायु सेना ने सीहोर में सोमालवाड़ा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को रेस्क्यू किया। बालाघाट जिले के एक गांव में फंसे तीन लोगों को भी एयरलिफ्ट किया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए हमने बांध से पानी का डिस्चार्ज कम करने के निर्देश दिए है, लेकिन अभी भी बारिश की संभावना है। उन्होने कहा कि मेरा लोगों से आग्रह है कि वे प्रशासन की सलाह के अनुसार कुछ समय के लिए राहत शिविरों में आश्रय लें। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा किया। उन्होंने कहा मैंने अपने कार्यालय को कंट्रोल रूम बना लिया है। रातभर बैठकर राहत कार्यो की निगरानी करूंगा। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि बाढ़ से किसानों की फसल को हुए नुकसान के आकलन के लिए केंद्रीय दल भेजा जाए। प्रदेश के बड़े हिस्से में भारी बारिश के कारण खरीफ की फसलें प्रभावित हुई हैं। अपर मुख्य सचिव (गृह) राजेश राजौरा ने बताया कि शासन ने सेना से कुल पांच हेलिकॉप्टर मांगे हैं, जबकि सेना की चार टुकड़ियां सीहोर, दो रायसेन और एक बाबई होशंगाबाद में राहत कार्यो में लगाई जाएंगी। होशंगाबाद में नर्मदा में पानी बढ़ने से एक दर्जन निचली बस्तियों में पानी भर गया। सात साल बाद सेठानी घाट से पानी शहर की तरफ आ गया। मालाखेड़ी और बांद्राभान क्षेत्र के 48 गांवों और बस्तियों में 10 फीट तक पानी भर गया। यहां पहुंची एनडीआरआफ ने बाढ़ में फंसे 50 लोगों को निकाला। होशंगाबाद से पिपरिया-हरदा, सिवनी-मालवा, बैतूल का सड़क मार्ग से संपर्क कट गया।

मुख्यमंत्री चौहान ने दूसरे दिन भी किया हवाई निरीक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हेलीकाप्टर से निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज दूसरे दिन पुनः प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कल जहां होशंगाबाद, सीहोर, रायसेन के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र देखे थे, वहीं आज फिर से होशंगाबाद, सीहोर और रायसेन जिलों के साथ ही देवास, हरदा और विदिशा जिले के जलमग्न क्षेत्रों को देखा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबंधित जिला कलेक्टर्स से दूरभाष पर चर्चा कर प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति, प्रभावित जनसंख्या, कोई जनधन क्षति यदि हुई हो और मवेशियों, फसलों एवं अन्न भण्डार की सुरक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज प्रातः मुख्यमंत्री निवास में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर पूरे प्रदेश में अतिवर्षा से जनजीवन पर पड़े प्रभाव और राहत कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान इसके पश्चात छह जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों के हेलीकाप्टर द्वारा निरीक्षण के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि वे संकट की इस स्थिति में प्रभावित लोगों की पूरी सहायता के लिए सक्रिय रहें। निचली बस्तियों में पानी के भराव की स्थिति को देखते हुए समय रहते नागरिकों को अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। नियंत्रण कक्ष सक्रियता से कार्य करें। जहां आवश्यक हो तत्काल पुलिस, होमगार्ड, सेना और आपदा प्रबंधन दल की सहायता प्राप्त की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में किए गए सुरक्षा प्रबंधनों की जानकारी भी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आपात स्थिति से निपटने के लिए गोताखोर, बोट, हेलीकाप्टर आदि के पुख्ता इंतजाम हैं। जिन क्षेत्रों में सड़कों पर पुल-पुलियों पर बाढ़ का पानी है, उसे पार करने का प्रयास न किया जाए। जनता स्वयं भी सावधान रहे और पिकनिक स्थलों पर जाने से भी लोग बचें। बांधों का जलस्तर बढ़ने से गेट खोलने की सूचना दी जाती है लेकिन बहुत से लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। आम नागरिकों की सहायता के लिए राज्य सरकार तत्पर है। लेकिन आमजन का सजग रहना बहुत आवश्यक है। जिलों में पदस्थ आपदा प्रबंधन दल हर तरह के संकट में लोगों की सहायता के लिए तैयार हैं।

मन की बात पीएम की अपील

आगे आएं, कुछ इनोवेट करें, कुछ इम्प्लीमेंट करें

नई दिल्ली। मन की बात के 68वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूरे देश में सितंबर को न्यूट्रिशन मंथ के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने देशवासियों से अपील कि वे भी आगे आएं, कुछ इनोवेट करें, कुछ इम्प्लीमेंट करें। आपके प्रयास, आज के छोटे-छोटे स्टार्ट-अप्स, कल बड़ी-बड़ी कंपनियों में बदलेंगे और दुनिया में भारत की पहचान बनेंगे। उन्होंने लोकल खिलौनों के लिए वोकल होने की भी अपील

की। पोषण माह पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, नैशन और न्यूट्रिशन का बहुत गहरा संबंध होता है। हमारे यहां एक कहावत है- यथा अन्नम तथा मन्नम यानी, जैसा अन्न होता है, वैसा ही हमारा मानसिक और बौद्धिक विकास भी होता है। उन्होंने बताया कि पोषण माह के दौरान माय जीओवी पोर्टल पर एक फूड एंड न्यूट्रिशन क्विज भी आयोजित की जाएगी, और साथ ही एक मीम कॉम्प्टीशन भी होगा। भारतीय कृषि कोष में हर एक जिले में क्या-क्या फसल होती है, उनकी न्यूट्रिशनल वैल्यू कितनी है, इसकी पूरी जानकारी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर की चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी से मिले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि हमने इस बात पर मंथन किया कि भारत के बच्चों को नए-नए खिलौने कैसे मिलें। भारत टॉय प्रॉडक्शन का बहुत बड़ा हब कैसे बने। पीएम ने कहा कि आप सोचिए कि जिस राष्ट्र के पास इतनी विरासत हो, परम्परा हो, विविधता हो, युवा आबादी हो, क्या खिलौनों के बाजार में उसकी हिस्सेदारी इतनी कम होनी चाहिए, हमें, अच्छा लगेगा क्या? ये सुनने के बाद आपको भी अच्छा नहीं लगेगा। उन्होंने कहा, अब सभी के लिए लोकल खिलौनों के लिये वोकल होने का समय है। आइए, हम अपने युवाओं के लिये कुछ नए प्रकार के, अच्छी क्वालिटी वाले खिलौने बनाते हैं। पीएम मोदी ने मन की बात में ऐप इनोवेशन चैलेंज के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि काफी जांच-परख के बाद अलग-अलग कैटेगरी में लगभग दो दर्जन ऐप्स को अवार्ड भी दिए गए हैं।

सीजफायर वायलेशन, पाकिस्तान ने की राजौरी सेक्टर में गोलाबारी, नायब सूबेदार शहीद

श्रीनगर। एलओसी पर पाकिस्तान की नापाक हरकतें अभी भी जारी है, पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में राजौरी के नौशेरा में एलओसी पर सीजफायर वॉयलेशन किया. भारतीय सेना के पीआरओ डिफेंस लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि पाकिस्तान की गोलीबारी

में नायब सूबेदार राजविंदर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी कुछ देर बाद मौत हो गई. सूत्रों के अनुसार राजौरी सेक्टर में एलओसी पर पिछले महीने पाकिस्तान की ओर से की गई गोलीबारी में भारतीय सेना का एक जवान शहीद हो गया था. जवान हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर का रहने वाला था. गौरतलब है कि इस साल पाकिस्तान ने 27 सौ से ज्यादा बार सीजफायर वॉयलेशन किया गया है, पिछले साल इनकी संख्या 3168 और 2018 में 1629 थी. इस दौरान 21 नागरिकों की मौत हुई है जबकि 94 लोग घायल हुए हैं. 17 और 18 अगस्त को बारामूला के करीरी इलाके में मुठभेड़ हुई थी. इस दौरान 3 आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया था. इनमें लश्कर के दो कमांडर सज्जाद उर्फ हैदर और उस्मान शामिल थे. हैदर बांदीपोरा हत्याओं का मुख्य साजिशकर्ता था. वह युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती करता था. विदेशी आतंकी उस्मान ने भाजपा नेता वसीम बारी उसके पिता और भाई की हत्या की थी. दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच दो मुठभेड़ हुई थीं. इस दौरान एक आतंकवादी मारा गया था. इसी दिन हंदवाड़ा के गनीपोरा में दो आतंकी मारे गए थे.शोपियां के किलूरा इलाके में सुरक्षाबलों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया. एक को गिरफ्तार किया गया. ये अल बद्र आतंकी संगठन से जुड़े थे. सेना ने बताया कि आतंकियों के पास से दो एके-47 और तीन पिस्टल बरामद की गई हैं. यहां पिछले 2 हफ्तों में अब तक 10 दहशतगर्द मारे गए हैं.

सुशांत की आडियो क्लिप से कई अहम खुलासे

मुम्बई। सुशांत सिंह राजपूत का एक आडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें कई खुलासे हुए है, यह आडियो क्लिप सुशांत की मौत से पांच माह पहले जनवरी की बताई जा रही है. आडियो में सुशांत के साथ रिया चक्रवर्ती उनके पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती और

उनके कुछ फाइनेंशियल एडवाइजर्स की आवाज सुनाई दे रही है. सुशांत इसमें बॉलीवुड छोड़ने की बात कर रहे हैं और भविष्य की प्लानिंग बना रहे हैं. साथ ही सभी से वे खर्च कम करने के तरीकों पर बात कर रहे हैं. ऑडियो क्लिप सुनने के बाद स्पष्ट होता है कि सुशांत के पैसों पर पूरा कंट्रोल रिया चक्रवर्ती का था. ऑडियो में सुशांत मुंबई छोड़ने की बात कर रहे हैं और रिया उन्हें गोवा जाने की सलाह दे रही हैं. वे कह रही हैं, हम एक-दो महीने के लिए गोवा जाएंगे और फिर फैसला करेंगे.

भारत में कोरोना वायरस के मामले 35 लाख के पार

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस मामलों की संख्या 35 लाख से ज्यादा हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक भारत में पिछले 24 घंटों में 78,761 नए मामले और 948 मौतें रिपोर्ट की गई। यह एक दिन के भीतर रिकॉर्ड सबसे ज्यादा मामले हैं। देश में कुल कोरोना मामले 35,42,734 जिसमें 7,65,302 सक्रिय, 27,13,934 ठीक / डिस्चार्ज / विस्थापित और 63,498 मौतें शामिल हैं। रिकवरी रेट की बात करें तो इसमें मामूली बढ़ोतरी के बाद यह 76.6 फीसदी पर पहुंच गया है। पॉजिटिविटी रेट 7.46 फीसदी है। वहीं 29 अगस्त को 10,55,027 कोरोना सैंपल टेस्ट किए गए। अभी तक कुल 4,14,61,636 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। कोरोना का डेथ रेट 1.79 प्रतिशत है।

देश के लगभग सभी राज्यों से कोरोना मरीज सामने आ रहे हैं कई प्रदेश ऐसे भी हैं, जो इस महामारी से मुक्त हो चुके थे मगर प्रवासियों के राज्य में दाखिल होने से वह फिर से इस संक्रमण की जद में आ गए। कोरोना मामलों की वजह से आर्थिक गतिविधियों पर पड़े प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने 1 सितंबर से शुरू हो रहे अनलॉक 4 के दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं।

एमपी के कटनी में हृदय विदारक हादसा, मकान गिरने से चार बच्चों की मौत

जबलपुर। एमपी के जबलपुर से लगे कटनी जिले की ग्राम पंचायत बम्हनी बनहरा गांव में एक कच्चा मकान गिरने से चार बच्चों की मौत हो गई. हादसे को देख आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और मलबे के नीचे दबे बच्चों को बाहर निकाला, वहीं पुलिस व राजस्व अधिकारियों की टीम भी तत्काल मौके पर पहुंच गई. इस हृदय विदारक हादसे के बाद गांव में मातम छाया रहा. बताया जाता है कटनी जिले के ग्राम बनहरा में रहने वाले मुकेश कोल की बेटी सुहानी उम्र 6 वर्ष, पिंकी उम्र 8 वर्ष, बेटा ललित 4 वर्ष व शिवा कोल की बेटी अन्नपूर्णा उम्र 8वर्ष दोपहर तीन बजे के लगभग घर के अंदर रहे, इस दौरान एक दीवार भरभराकर गिरी, जिसकी चपेट में चारों बच्चे आ गए, दीवार गिरने के बाद ऊपरी हिस्सा भी गिर गया, बच्चों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए तो देखा कि मुके श कोल का मकान मलबे में तब्दील हो चुका है, सभी ने मिलकर बच्चों को मलबे से बाहर निकाला, उस वक्त देर हो चुकी थी. बच्चों की मौत की खबर गांव में आग की तरह फैल गई, देखते ही देखते कई लोग एकत्र हो गए, वहीं परिजनों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे. हादसे की खबर मिलते ही तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे, राजस्व निरीक्षक मोहनलाल साहू, पटवारी अनिल सोनी, एएसआई रविशंकर पांडे मौके पर पहुंच गए थे.

पीएम मोदी के नेतृत्व में बढ़ी कृषि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता:

नई दिल्ली। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कालेज व प्रशासनिक भवन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायती राजमंत्री नरेंद्र सिंह तोमर तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कृषि छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें देश के कृषि क्षेत्र की समृद्धता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। पीएम मोदी ने सभी को बधाई दी और आशा व्यक्त की है कि इस विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद छात्र देश के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में सक्रिय योगदान देंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई इमारत के कारण प्रदान की गई नई सुविधाएं छात्रों को और अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करेंगी। उन्?होंने रानी लक्ष्मीबाई को उद्धृत करते हुए कहा, मैं अपनी झाँसी नहीं दूंगी, प्रधानमंत्री ने झाँसी और बुंदेलखंड के लोगों से आग्रह किया कि वे आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाएं। पीएम ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान में योगदान देने के लिए कृषि की प्रमुख भूमिका है। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादक और उद्यमी दोनों के रूप में कृषि लक्ष्य में आत्मनिर्भरता हासिल

करनी चाहिए। इस भावना के अनुरूप, कई ऐतिहासिक कृषि सुधार किए गए। अन्य उद्योगों की तरह, अब किसान भी अपनी उपज देश में कहीं भी बेच सकते हैं, जहां कहीं भी उन्?हें बेहतर मूल्य मिलता हो। क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण में बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का एक विशेष समर्पित कोष स्थापित किया है। पीएम ने कहा कि अनुसंधान संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि 6 वर्ष पहले देश में सिर्फ एक केन्?द्रीय विश्वविद्यालय था जिसकी तुलना में अब 3 केन्?द्रीय कृषि विश्वविद्यालय हैं। इसके अलावा, तीन और राष्ट्रीय संस्थानों जैसे आईएआरआई झारखंड, आईएआरआई असम और बिहार के मोतिहारी में महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट फॉर इंटीग्रेटेड फार्मिंग की भी स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये संस्थान न केवल छात्रों को नए अवसर प्रदान करेंगे, बल्कि स्थानीय किसानों को प्रौद्योगिकी लाभ का प्रदान करने और उनकी क्षमता बढ़ाने में भी मदद करेंगे।

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ / रिपोर्टर्स
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।
संपर्क करें
कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560
Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

अंधे कत्ल का पर्दाफास...प्रेमी. प्रेमिका गिरफ्तार

ग्वालियर। शहर की हजीरा थाना पुलिस ने जेसी मिल परिसर में मिली एक युवक कि खून से लथपथ मिली लाश की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है! पुलिस ने इस मामले में एक युवक और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है हत्या की वजह पुरानी रंजिश बताई गई है! जानकारी के अनुसार 30-31 / 10 / 19 की दरमियानी रात्रि करीब 01.00 बजे बियाबान सूनसान मील के जंगल मे मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फेल गयी थी अज्ञात व्यक्ति की शिनांक्ति व अज्ञात आरोपी को पकडना पुलिस थाना हजीरा के लिये चुनोती पूर्ण था । उक्त घटना पर से थाना हजीरा पर अपराध क्र 0 454/2019 धारा 302 ताहि . पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया विवेचना के दौरान अज्ञात व्यक्ति की लाश की पहचान पुलिस के प्रयास से धर्मेन्द्र कोली पुत्र आदिराम वर्मा उम्र 38 साल निवासी सरकारी मल्टी सुरेश नगर ठाटीपुर ग्वालियर के रूप मे हुई मृतक पेशे से ऑटो चालक था । जो विक्रम आटो 4 नम्बर रुट पर चलाता था । जो पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य) पंकज पांडेय व नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा ग्वालियर रवि भदौरिया के मार्गदर्शन मे एक टीम गठित की

गयी टीम का नेत्रत्व थाना प्रभारी थाना हजीरा आलोक सिंह परिहार के द्वारा किया गया । थाना प्रभारी द्वारा लगातार विश्वसनीय सूत्रों एवं सायबर शैल में उपस्थित रहकर मृतक के मोबाइल एवं सिम नम्बर एवं घटना घटित करने में उपयोग की गयी स्कूटी पडाव से घटना स्थल तक आने जाने में उपयोग की जाने वाले रास्ते पर लगे सीसीटीव्ही कैमरे की फुटेज समय आदि का गहन अध्यन कर अज्ञात आरोपी एवं उसके साथ अज्ञात संदिग्ध महिला की गोपनीय तौर पर लगातार पड़ताल कर महत्वपूर्ण सफलता अर्जित कर आरोपीगणों की लाख चतुराई के उपरांत भी कानून के हाथ उनकी गर्दन तक पहुँचने में सफलता अर्जित कर आरोपीगणों को गिरफ्तार कर आरोपीगणों से मृतक का मोबाइल आदि महत्व पूर्ण साक्ष्य जप्त करने में 10 माह पश्चात महत्वपूर्ण सफलता हासिल कर ली । श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 10000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था । हत्या का कारण घटना दिनांक से 4 माह पहले दोनो ऑटो चालक के बीच आपसी मनमुटाव एंव छोटा मोटा झगडा हुआ था जो घटना दिनांक की रात्रि मे मृतक अधिक दारू के नशे मे पडाव चौराहे पर मिलने एंव स्वंय भी नशे मे होने से अचानक मन मे जान से मारने की इच्छा जाग्रत होने पर मृतक को अपनी गाडी से लिफ्ट दे कर घर पर छोडने का कह कर भरोसे मे लेकर जेसी गिल के जंगल मेले जाकर पत्थर से कुचल कर हत्या कर दी । गिरफ्तार आरोपियों के नाम व पता 1- भानू जाटव पुत्र भागीरथ जाटव उम्र 25 साल निवासी बीजा सेन माता मंदिर के पास संजय नगर हजीरा ग्वालियर 2 - आरोपि श्रीमती पिंकी गुप्ता पति मनोज गुप्ता उम्र 30 साल निवासी पानी की टंकी के पास किराये का मकान नारायण विहार कालोनी बिरला नगर हजीरा है

स्वामी तेजानंद महाराज ने सोजत हत्याकांड में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री से लगाई गुहार।

पाली। के सोजत शहर के व्यस्त मेहता मार्किट में 28 अगस्त 2020 को दवा व्यवसायी कानाराम सीरवी सुपुत्र घीसा राम सीरवी,उम्र-58 वर्ष की भूमि विवाद के चलते उनके पड़ोसियों ने गहरे षड्यंत्र के तहत दिनदहाड़े निर्मम हत्या कर दी।इस घटना से पूरा सीरवी समाज आक्रोशित है आप श्री से माँग करते हैं कि इस हत्याकांड में लिप्त सभी आरोपियों को सरकार की तरफ से न्यायपालिका में कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाए।आरोपी चाहे किसी भी पृष्टभूमि के हो सरकारी तंत्र से यह अपेक्षा है कि वह जाती,धर्म, संप्रदाय और राजनीतिक प्रभाव से ऊपर उठकर निष्पक्ष जाँच करवाकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाए। आशा है कि सरकार इस हत्याकांड के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाकर जनमानस में शाशन प्रणाली के प्रति विश्वास को स्थापित करेगी।

नगर में निकली ठाकुर जी की शाही सवारी,जगह जगह हुई आरती

दबोह(अर्पित गुप्ता)।

नगर में डोल ग्यास के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण(ठाकुर जी) की शाही सवारी की शोभायात्रा यात्रा शंख झालर की ध्वनि के साथ बड़ी ही धूमधाम से निकाली गयी।जिसमे नगर के सम्पूर्ण मंदिरों से भगवान अपनी शाही सवारी के साथ जल बिहार के लिए निकले सर्वप्रथम सभी मंदिरों के भगवान जी की सवारी एक जगह बुधोलिया के मंदिर पर एकत्रित हुयी।इसके पश्चात सभी भगवान की शाही सवारी जल विहार के लिए करधेन तालाब की ओर रवाना हुई भगवान की शोभायात्रा नगर के बीच

बाजार से होते हुए करधेन तालाब पर पहुँची जहाँ मंदिर के पुजारियों के द्वारा अपने-अपने ठाकुर जी को जल बिहार(स्नान)करा कर पूजा अर्चना की गयी जिसके उपरांत भगवान को पुनःबाजार से होते हुए अपने-अपने मंदिरो की ओर ले जाया गया इसी बीच नगर के धर्मप्रेमियों व नागरिकों ने जगह-जगह भगवान की सवारी का स्वागत व आरती कर प्रसाद वितरण किया तो वही नगर के प्रसिद्ध गणेश मंदिर पर भी ठाकुर जी की हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम से आरती कर प्रसाद वितरण किया गया।।

कोरोना योद्धा का विधायक महेश कुमार गोयल ने किया सम्मान

इरादतनगर थाना क्षेत्र के गांव बसई खुर्द निवासी डाक्टर शैलेन्द्र त्यागी ने एमआईएमएस बाराबंकी में कोरोना में सेवाएं दी थी जब वह अपने गांव बसई खुर्द पहुंचे तो क्षेत्रीय विधायक महेश कुमार गोयल कार्यकर्ताओ के साथ उनके घर पहुंच गए और उनका फूल माला पहनाकर और साफा बांधकर सम्मान किया इस दौरान श्याम सुंदर पाराशर, के के त्यगी, वचनेश त्यगी, राजेश शर्मा, शियाराम झा, शिव कुमार सिकरवार, श्यामवीर सिंह चाहर एवं थाना प्रभारी सूरजप्रसाद मौजूद रहे ।

आम रास्ते को लेकर दो पक्षो में हुआ विवाद,आई गम्भीर चोट

दबोह(अर्पित गुप्ता)। दबोह थाना अंतर्गत ग्राम मुरावली में एक गली के आम रास्ते को लेकर दो पक्षो में विवाद हो गया विस्तार से जानकारी के लिए बता दे कि कमलेश पुत्र छेदालाल कोरी व चतुरसिंह उर्फ मस्ताना पुत्र परमसुख कोरी के बीच गली के आम रास्ते को लेकर विवाद हो गया जिसमें कमलेश के सर में गम्भीर छोटे आयी है सम्पूर्ण मामले को लेकर कमलेश रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए दबोह थाने पहुँचा कमलेश ने बताया कि गली में बनी नाली पर मस्ताना ने कब्जा कर लिया है जिससे रास्ते मे पानी भर जाता है जब मैने मस्ताना को कब्जा हटाने के लिए बोला तो मस्ताना ने मुझ पर कुल्हाड़ी से बार कर दिया तो वही मौके पर पहुँचे चतुर सिंह उर्फ मस्ताना ने बताया कि गली में कमलेश अपने पशुओं बांध देता है जिससे हम लोगो को आने जाने में समस्या होती है जिसके बारे मैने कमलेश से कहा तो वह लड़ने पर उतारू हो गया और स्वयं अपने सर में इट मार कर थाने पर आ गया फिलहाल कमलेश की फरियाद पर पुलिस आवेदन लेकर जाँच में जुट गयी है।

20 महीने पूर्व उद्घाटन पुल के नुकसान पर जांच की मांग

उधमपुर-- शिवसेना बाला साहेब ठाकरे उधमपुर ईकाई ने डोमेल क्षेत्र में तवी नदी पर बने एक पुल के बारिश के कारण व्यापक नुकसान पर गहरा रोष प्रकट करते हुए जांच एवं दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है । पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मनीश साहनी के निर्देशा अनुसार , अध्यक्ष महिला विंग मिनाक्षी छिब्बर एवं अध्यक्ष जिला उधमपुर संजीव शर्मा की अध्यक्षता में आज पार्टी कार्यालय में आयोजित सदस्यता अभियान के तहत पत्रकारों से विशेष बातचीत करते हुए मिनाक्षी ने , भाजपा शासनकाल के दौरान तैयार एवं उद्घाटन इस पुल के मात्र दो दिन की बरसात से हुए व्यापक नुकसान पर सवाल खड़े करते हुए , घटिया सामग्री के इस्तेमाल एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। मिनाक्षी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल माननीय मनोज सिन्हा से इसकी गहन जांच के साथ दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है । वहीं संजीव शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का दावा करने वाले माननीय उपराज्यपाल इसकी जांच के आदेश जारी कर जनता का विश्वास जीत सकते हैं। संजीव ने कहा कि इस पुल को बनाने पर करीब 8 करोड़ रुपये की लागत की जानकारी है और जनता के खून पसीने की कमाई को ज्ञात्र दो दिनों की बरसात में बहाया नहीं जा सकता। इस मौके पर उपस्थित उपाध्यक्ष इम्तेयाज हुसैन, अश्विनी प्रभाकर,राजेश वर्मा, धर्मचंद शर्मा, विजय कुमार ने पार्टी का दामन थामने वाले गौरव, हनी कुमार,शुभम,हरीश पवन कुमार ,विशाल वर्मा,साहिल गंडौत्रा समेत तमाम युवाओं का पार्टी बंधन के साथ स्वागत किया।

कवि सम्मेलन

राष्ट्रीय साहित्य वाटिका के तत्वाधान में आयोजित ऑनलाइन कवि सम्मेलन संपन्न ~ शिवपुरी~ राष्ट्रीय साहित्य वाटिका सृजन संस्थान शिवपुरी मध्य प्रदेश के तत्वाधान में रविवार को ऑडियो कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के कविवृंदो ने हिस्सा लिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संगीता शर्मा जी विशिष्ट अतिथि प्रदीप अवस्थी जी रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र शर्मा सागर तथा मंच संचालन पंडित नितिन त्रिगुणायत %वरी% ने किया मां शारदे की आराधना अश्मजा प्रियदर्शनी जी ने प्रस्तुत की तथा अन्य सभी ने बहुत ही सुंदर काव्य पाठ प्रस्तुत किया संस्था के संस्थापक राकेश मिश्रा %रंजन% संरक्षक राम पंडित जी एवं प्रदीप जी मार्गदर्शक सतीश जी संयोजक विकास शुक्ल %प्रचंड% सचिव राजेश शर्मा एवं यतीश जी उपाध्यक्ष सर्वेश उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

मानव अधिकार फाउंडेशन से मुरैना जिले से आदित्य सक्सेना महामंत्री बने

मुरैना। मुरैना राष्ट्रीय मानव अधिकार फाउंडेशन ग्वालियर चंबल संभाग के अध्यक्ष राजेश? ऐरन जी के नेतृत्व में अमित कुमार बंसल संभागी उपाध्यक्ष जी के आशीर्वाद से स्थानीय निवासी युवा समाजसेवी आदित्य सक्सेना को मुरैना महामंत्री का दायित्व सौंपा गया।सक्सेना ने संगठन के लिए निष्ठा से काम करने की बात कही आदित्य सक्सेना ने कहा कि मानव अधिकार की तरफ से जो भी मुझे काम मिलेगा उसको मैं लगन और मेहनत के साथ पूरा करूंगा और मित्र जनों ने बधाई दी।आदित्य को बधाई देने वालो में सुमित गर्ग,साकेत अग्रवाल आई लोग शामिल हैं।

कानाराम सीरवी के हत्यारों को कडी से कडी सजा दिलाने के लिए विरार वढेर अध्यक्ष जयेश भायल ने प्रसाशन से गुहार लगाई

प्रेस नारायणलाल सैणचा

द्रपाली / समाज बन्धु कानाराम सीरवी की सोजत में हत्यारों ने गहरी साजिश के तहत दिनदहाड़े भरे बाजार में खुलेआम निर्मम हत्या की गई।द्र द्रइस धटना का सीरवी विकास मण्डल - विरार (महाराष्ट्र) घोर निंदा करता है द्रकोई भी विवाद हो, इस तरह की हत्या का मानवीय जीवन मे कोई स्थान नही है। आज आप एकता बनाकर सभी ने इस सोजत हत्याकांड का विरोध नही किया तो आप भी उतने ही दोषी है, जितना वो हत्यारे। द्रसमाज बंधुओं से निवेदन है कि हत्यारो को फाँसी की सजा व पीड़ित परिवार को प्रशासन से न्याय दिलाने में आप सभी सहयोग करे

द्रप्रशासन से आग्रह है कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे।द्रसीरवी समाज को एकजुट होकर कानाराम के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का प्रयास करे।

अध्यक्ष -जयेश भायल
सीरवी विकास मण्डल-विरार

परिषद में सिखाया जाएगा योग

ब्यूरो चीफ अमन राय

अखिल भारतीय संस्कृत परिषद द्वारा आज योग शिविर का उद्घाटन किया गया. यह शिविर प्रत्येक रविवार को सुबह 7~00 बजे से राजेंद्र भवन में होगा. शिविर का उद्घाटन अखिल भारतीय संस्कृत परिषद के अध्यक्ष राजीव कुमार एवं महामंत्री अजब नारायण सिंह ने किया. संस्था के अनोज भारती ने बताया कि कोरोनावायरस से बचने के लिए योग करना अनिवार्य है. उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय संस्कृत परिषद के अध्यक्ष राजीव कुमार एवं अजब नारायण सिंह के पहल पर यह योग शिविर चालू किया गया है. यह शिविर प्रत्येक रविवार को सुबह 7~00 बजे से होगा. यह शिविर में कोई भी व्यक्ति आकर भाग ले सकते हैं. मौके पर उपस्थित थे उपाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, उप महामंत्री वीरेंद्र नाथ पाण्डेय , अनोज कुमार भारती, श्याम कुमार मंडल,रबिन्दर कुमार साह, महेन्दर राय, रणवीर बिहारी लाल,अदयानन साव आदि लोग उपस्थित थे.

बड़नंदोई ने दुष्कर्म कर दो साल तक किया दैहिक शोषण

ग्वालियर। पति के बीमार होने पर मदद करने के बहाने आए एक महिला के नंदोई ने पहले उसके साथ दुष्कर्म किया बाद में पति की मौत के बाद उसे जबरन अपने साथ ले गया और 2 साल तक दैहिक शोषण किया! परेशान होकर महिला ने थाने में आकर नंदोई के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार जनक गंज थाना क्षेत्र के तारागंज में रहने वाली 28 साल की एक महिला का पति 2018 में बीमार हो गया था! उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था उस दौरान धौलपुर निवासी महिला का नंदोई बंटी खान मदद के लिए वहां आया और एक दिन घर में महिला को अकेली पाकर बंटी खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया कुछ दिन बाद महिला के पति की मौत हो गई तो बंटी खान उसे जबरन अपने साथ धौलपुर ले गया और लिव-इन में रखकर 2 साल तक उसका दैहिक शोषण किया!

जान का नुकसान नहीं होने देंगे : मुख्यमंत्री चौहान

मध्यप्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेना के सहयोग से राहत के प्रयास, प्रधानमंत्री मोदी को दी गई जानकारी, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, करीब लगभग दस हजार लोगों को किया सुरक्षित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ प्रभावित लोगों की तत्परता से सहायता की जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत के प्रयासों को अंजाम दिया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन के माध्यम से करीब 10 हजार लोगों को सुरक्षित कर दिया गया है। किसी की जान का नुकसान नहीं होने दिया गया है। नौकाएं भी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए सक्रिय हैं। वायुसेना के तीन हेलीकाप्टर कार्य कर रहे हैं। एनडीआरईएफ के चार दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। भोपाल कमिश्नर सहित अन्य अधिकारी भोपाल संभाग के बाढ़ प्रभावित इलाकों की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। राहत के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज प्रात: उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव गृह श्री राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन श्री एस.एन. मिश्रा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री मनीष रस्तोगी और अन्य अधिकारियों के साथ प्रदेश में अतिवर्षा की स्थिति की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि होशंगाबाद जिले के वालावेट ग्राम में एक परिवार मूसलाधार बारिश के बाद संकट की स्थिति में आ गया था। इस परिवार को बोट की माध्यम से निकाला गया। परिवार में दो दुधमुंहे बच्चों सहित पांच लोग बाढ़ में फंसे थे। श्रीमती राजकुमारी कीर, श्रीमती आरती कीर, एक तीन वर्षीय बालक, एक पाँच माह की बालिका और एक दो माह की बालिका को सुरक्षित निकाला गया। इस तरह के प्रयास छिंदवाड़ा, बालाघाट, सीहोर, देवास, सिवनी, रायसेन जिलों में भी किए गए हैं। सीहोर जिले के सोमलवाड़ा से परिवारों को एअरलिफ्ट कर शाहगंज पहुंचाया गया।

पिछले दो दिन में प्रदेश के 12 जिलों के बाढ़ प्रभावित ग्रामों से 7 हजार से अधिक व्यक्ति बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से बाहर निकाले जा चुके हैं। मुख्यमंत्री निवास में भी नियंत्रण कक्ष स्थापित कर निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि सतत् मॉनिटरिंग भी की। प्रदेश के करीब 400 ग्राम बाढ़ से प्रभावित हैं। आवश्यकतानुसार सेना का सहयोग भी लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि नर्मदांचल के कुछ हिस्सों में 20 वर्ष पूर्व हुई अतिवर्षा का रिकार्ड टूटा है। प्रदेश में 170 राहत शिविर लगाए गए जहां करीब 9300 लोग रह रहे हैं। अनेक स्थानों पर कोरोना के संकट को देखते हुए स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक राहत कार्य संचालित किए जा रहे हैं। बचाव दल सक्रिय हैं। प्रदेश में जान का नुकसान नहीं होने दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि वर्ष 1999 की बाढ़ का रिकॉर्ड टूटा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की स्थिति के संबंध में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को अवगत करवाया गया है। पूर्व में रक्षा मंत्री को भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि अतिवर्षा, बाढ़ पर निरंतर नजर रखी जा रही है। युद्धस्तर पर आपदा राहत के कार्य चल रहे हैं। कहीं भी किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आमजन से अपील की कि वे पानी से घिरे स्थानों पर रहने की जिद न करते हुए प्रशासन जब निकलने का कहे तो सावधानी रखते हुए तुरंत अन्य स्थान पर या राहत शिविर में शिफ्ट होने में सहयोग करें। बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कच्चे मकान भारी बारिश नहीं सह पाते। ऐसे मकानों को खाली करवाने की कार्रवाई भी हो रही है। कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वैच्छिक संगठनों से भी आग्रह किया है कि सहयोग का हाथ बढ़ाएं। बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन वस्त्र और अन्य सहायता प्रदान करने में सहयोग करें। कच्चे मकानों में रहने वालों को दुर्घटना से बचाने के लिए अन्य स्थान पर शिफ्ट होने का परामर्श दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी-6-4) के राहत के समस्त प्रावधानों का लाभ किसानों को दिया जाएगा। अतिवर्षा से उत्पन्न स्थिति का सर्वे कर आकलन किया जाएगा। फसलों की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त कर पात्रतानुसार पूरी सहायता दी जाएगी। किसानों को बीमा योजना का लाभ दिलवाने की प्रक्रिया भी चल रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि बालाघाट जिले में बाढ़ प्रभावित ग्राम कुलमी के तीन लोगों को एअरलिफ्ट किया गया है। छिंदवाड़ा जिले में भारतीय वायुसेना की सहायता से 29 अगस्त को 6 लोगों को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से निकाला गया। होशंगाबाद जिले के कुछ गांवों बांद्राभान आदि में आर्मी और एनडीआरएफ की टीम बाढ़ प्रभावित लोगों को बाहर निकालने के लिए प्रयास कर रही है। होशंगाबाद जिले में दो कंपनी तैनात की गई हैं। सीहोर जिले में अभी भी कुछ गांव बाढ़ से घिरे हुए हैं। प्रशासन लगातार उनके संपर्क में बना हुआ है। जरूरत पड़ी तो एनडीआरएफ की टीम के साथ आर्मी के जवान प्रभावित लोगों की मदद करेंगे। सेना द्वारा की टीम नसरुल्लागंज और शाहगंज को बेस बनाकर आसपास के लोगों की मदद करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि एक राहत की बात यह है कि बारिश अभी कहीं-कहीं थमी है, बांधों से भी डिस्चार्ज थोड़ा कम हुआ है और नर्मदा जी का जलस्तर धीरे-धीरे कम होना प्रारंभ हुआ है। लेकिन हमें सावधान रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अतिवर्षा की स्थिति में नागरिकों की सजगता मायने रखती है। स्वयं की सुरक्षा के लिए सभी सजग, सतर्क रहें, यह आवश्यक है। उन्होंने बाढ़ से घिरे गांवों के बहनों और भाइयों से अपील की है कि प्रशासन के कहने पर कृपया बाहर जरूर निकल जाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेरा आग्रह है प्रशासन निकलने का कहे तो तुरंत निकलना है। अभी भी बारिश हो सकती है। डैम भरे हुए हैं। ऐसी स्थिति में फिर बाढ़ की स्थिति बन सकती है। इस कारण सावधानी रखना बहुत जरूरी है। कोरोना कॉल में भी राहत शिविरों में यथासंभव बेहतर से बेहतर व्यवस्था का प्रयास किया जा रहा है जो जन सहयोग से सफल होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनता के सहयोग के लिए समाजसेवी संस्थाओं और समाजसेवियों से अपील की है कि बाढ़ प्रभावितों को राहत पहुंचाने में अधिकतम सहयोग करें मुख्यमंत्री श्री चौहान ने होशंगाबाद जिले में होमगार्ड और एसडीईआरएफ के जवानों की सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्लाटून कमांडर श्री राजकुमार कटारे, श्री मुर्गेशन, सैनिक श्री भरत परिहार, आदित्य राय, हिमांशु, अनिल शर्मा और चरण सिंह ने कुछ परिवारों की जीवन रक्षा की है। जिला प्रशासन के स्टाफ, राजस्व विभाग के स्टाफ, जिला पुलिस बल, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद की है। अन्य जिलों से भी मानवता के पक्ष में इस तरह के कार्यों की जानकारी प्राप्त हो रही है।

मप्र में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया करेगी फसलों का बीमा

भोपाल। एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड मध्य प्रदेश में फसलों का बीमा करेगी। शिवराज सरकार ने खरीफ 2020 और रवि 2020- 21 सीजन के लिए फसल बीमा कंपनी तय कर दी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसलों के बीमा के लिए सरकार ने चार बार टेंडर निकाले थे। पूरे प्रदेश में फसल बीमा का जिम्मा अब इस इंश्योरेंस कंपनी पर होगा। राज्य सरकार ने 11 अलग-अलग क्लस्टर में फसल बीमा के लिए एजेंसी तय की है। मंजूर प्रीमियम दर के तहत ही फसलों का बीमा हो सकेगा। राज्य सरकार के सूत्रों के हवाले से पता चला है कि 4 बार टेंडर निकाले गए। इसमें कई इंश्योरेंस कंपनियां शामिल हुई थीं। आखिरी बार के टेंडर में 8 बीमा कंपनी शामिल हुईं। उसके बाद राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में एक बीमा कंपनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड को फसल बीमा की जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए सवाल पूछा था कि किसानों की फसल की बीमा के लिए अभी तक बीमा कंपनी क्यों नहीं तय हो पाई है। सरकार चार बार टेंडर क्यों कर रही है। पूर्व विधानसभा स्पीकर एनपी प्रजापति ने आरोप लगाया था कि बीमा कंपनी तय नहीं होने के बाद भी किसानों से फसल बीमा का प्रीमियम काटना शुरू कर दिया है।

राज्य सरकार ने 11 अलग-अलग क्लस्टर में फसल बीमा के लिए एजेंसी तय की

खतरे के निशाने से 19 फीट ऊपर नर्मदा

सभी बांधों के गेट खुले, रोकी गई ट्रेन, 24 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल समेत कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ आ गई है। वहीं, दूसरी तरह प्रदेश के सभी प्रमुख बांधों के गेट खोल दिए जाने के कारण प्रदेश की सभी नादियां और नाले उपान पर हैं। सबसे ज्यादा खतरा होशंगाबाद जिले में है। यहां 47 साल बाद ऐसी बाढ़ आई है। होशंगाबाद में नर्मदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नर्मदा नदी शहर में खतरे के निशान से 19 फीट ऊपर बह रही है। इसके चलते शहर सहित कई गांवों में पानी भर गया है। प्रदेश के 9 जिलों के 394 से ज्यादा गांवों में भीषण बाढ़ आई है। बाढ़ में फंसे 7 हजार से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बाढ़ राहत के लिए बड़ी संख्या में राहत शिविर बनाए गए हैं जहां पर रूकने, भोजन, दवाओं आदि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। भोपाल, होशंगाबाद तथा जबलपुर संभाग में निरंतर अतिवर्षा जारी है तथा अगले 48 घंटों में भी वर्षा की संभावना है। साथ ही सागर तथा उज्जैन संभाग भी वर्षा से प्रभावित हैं। ग्वालियर संभाग भी इससे प्रभावित होगा। प्रदेश के सभी बांध लगभग भर गए हैं। तवा डेम के 13 में 13 गेट खोले गए हैं, इंदिरा सागर बांध के 22 गेट, ओंकारेश्वर में 23 में से 21 गेट, राजघाट बांध पर 18 में से 14 गेट, बरगी बांध 21 में से 17 गेट खोले गए हैं। सरदार सरोवर बांध भी हाई लेवल से 7 मीटर नीचे है। मण्डला तथा पेंच बांध के भी गेट खोले गए हैं। बाढ़ में फंसे लोगों की मदद के लिए सेना बुलाई गई है। होशंगाबाद और सीहोर के लिए सेना के जवान बुलाए जा चुके हैं। उन्होंने बचाव व राहत कार्य प्रारंभ करने थे, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से एक को झांसी उतारना पड़ा। ये दोनों हैलीकॉफ्टर आज से बचाव कार्य शुरू करेंगे। ओंकारेश्वर बांध के 21 गेट करीब 2 मीटर तक खोले गए और 10000 क्यूमेक्स से ज्यादा पानी छोड़ा जाता रहा। इससे बांध के बैक वाटर में 195.12 मीटर तक पानी भर गया। सभी 21 गेट से करीब 31 मीटर तक लगातार पानी निकाला गया। राजधानी भोपाल में भी भारी बारिश का दौर जारी है।

नगर निगम ने संभाला ताजियो को ठंडा करने का जिम्मा

लॉकडाउन के बीच गाईडलाईन के मूताबिक निभाई जिम्मेदारी

भोपाल। राजधानी मे रविवार को मोहर्रम की दस तारीख ओर पूरी तरह से लॉकडाउन होने के कारण ताजियो को ठंडा करने का जिम्मा नगर निगम की टीम ने उठाया। गौरतलब है कि रविवार को पूरी तरह लॉकडाउन होने के कारण ताजियो को विर्सजन करने के लिये लोग तालाबो पर नही जा सके थे। इस दौरान किन्नरो वाला मोहल्ला मंगलवार छावनी रोड पर सभी धर्मो को समान रुप से मनाने वाले किन्नरो के ताजिये को भी नगर निगम की टीम ने उनके मोहल्ले मे जाकर लेते हुए ठंडा कराया। जानकारी के अनुसार निगम टीम ने जोन 4 अंतर्गत वार्ड 20 में स्थित किन्नरों वाला मोहल्ला मंगलवारा छावनी रोड पर से एएचओ शहाब खॉन की टीम द्वरा गुरु शिल्पा किन्नर का ताज़िया लेकर नगर निगम के वाहन मे रखकर उसे गिन्नौरी के घाट तक पहुँचाया गया। इस दौरान प्रशासन द्वारा तय की गई गाईडलाईन के मुताबिक ताजिये के साथ चार लोग मौजूद रहे, जिनसे सोशल डिस्टैस्टिंग का पालन करवाते हुए निगम की टीम द्वारा ताजियो को ठंडा करवाया गया।

शिक्षक दिवस पर इस बार नहीं होगा शिक्षकों का सम्मान समारोह

भोपाल। हर वर्ष 5 सितंबर को धूमधाम से मनाया जाने वाला शिक्षक दिवस का कार्यक्रम कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते निरस्त कर दिया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश में सभी जिला शिक्षाधिकारियों को कहा गया है कि इस दिन वेबिनार के माध्यम से संगोष्ठी का आयोजन किया जाए। वहीं कोरोना वायरस की स्थिति सामान्य होने पर शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित करें। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षा विभाग शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है। शिक्षा विभाग के अलावा नगर निगम द्वारा भी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान किया जाता है। चूंकि अभी कोरोना वायरस का संक्रमण जारी है, लिहाजा शिक्षा विभाग ने 5 सितंबर को होने वाला कार्यक्रम निरस्त करने को कहा है। इस अवसर पर शिक्षा विभाग वेबिनार के माध्यम से जिला, संभाग और राज्य स्तर पर संगोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन करेगा। मध्यप्रदेश में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन विषय पर यह संगोष्ठी होगी और चयनित शिक्षकों को शिक्षा विभाग सम्मानित करने के साथ-साथ नकद राशि देकर भी सम्मानित करेगा। जिला शिक्षाधिकारियों को कहा है कि कोरोना वायरस से स्थिति सामान्य होने पर अपने हिसाब से शिक्षक दिवस पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित कर सकते हैं।

प्रभावित जिलों में संयुक्त टीम द्वारा रेस्क्यू एवं बचाव कार्य जारी

जलभराव क्षेत्रों से अब तक हजारों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया

भोपाल। भोपाल संभाग अंतर्गत सभी जिलों में जल-भराव, बाढ़, आपदा ग्रसित क्षेत्रों में सेना जिला प्रशासन, होमगार्ड, पुलिस, एसडीआरएफ और रेस्क्यू टीम के जवान जलभराव क्षेत्रों में फंसे लोगों को निकालने मोर्चा संभालें हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सम्भाग के सीहोर, रायसेन और विदिशा में बारिश से बिगड़े हालात और नुकसान का हवाई सर्वेक्षण कर जायज़ा लिया। वहीं सेना के जवानों द्वारा भी हेलीकॉप्टर, नाव और डीजल बोट से बचाव कार्य किया जा रहा है। संभाग आयुक्त श्री कवीन्द्र कियावत और आई जी श्री उपेन्द्र जैन कल देर रात तक सीहोर और रायसेन जिलो में राहत और बचाव कार्य का जायज़ा लेते रहे। सोमलवाड़ा पहुँचने वाले दोनों पहले अधिकारी थे, रात में ही दोनों अधिकारियों

ने यहाँ से अधिकांश ग्रामीणों को नजदीकी ग्राम बमोरी और नानभेट में शिफ्ट करवाया था। आज सेना ने शेष 25 ग्रामीणों का रेस्क्यू कर उन्हें हेलीकाप्टर से शाहगंज पहुँचाया। भोपाल जिले में बारिश से कई क्षेत्रों में जल-भराव की स्थिति निर्मित हुई है। जिला प्रशासन द्वारा निरंतर राहत और बचाव के कार्य किए जा रहे हैं। स्थिति अभी सामान्य है। जल-भराव क्षेत्रों में जिला-प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा निरंतर नजर रखी जा रही है। पिछले 24 घंटों में भोपाल जिले में अब तक 79 मिमी वर्षा दर्ज की गयी है। जिला विदिशा में बघरु बांध भराव क्षमता पर है और बांध के सभी 5 गेट खुले हैं, रेहटी बांध के 3 गेट खोले गए हैं, सम्राट अशोक (हलाली) बांध का जलस्तर 1509 फीट पर है विदिशा जिले में बाढ़ से बचाव के लिए विदिशा तहसील में 6 राहत शिविर बनाए गये हैं, जिनमें 262 प्रभावित व्यक्तियों को ठहराया गया है। विदिशा तहसील के अहमदपुर मंडल के 17 ग्रामों में जल-भराव की स्थिति थी, जो आज धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और लगभग 4 ग्रामों में जल-भराव शेष है। विगत 3 दिवस में वर्षा होने से तहसील में बावना और केवटन नदियाँ उफान पर हैं। विदिशा में आज 60 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। विदिशा में बेतवा नदी (रंगई) का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है तहसील कुरवाई में बेतवा नदी का जल स्तर निरंतर बढ़ रहा है। प्रशासन द्वारा निरंतर ऐसे क्षेत्रों में निगरानी और पैनी नजर रखी जा रही है। जिससे किसी भी आशंका के पहले ही उस पर अंकुश लगाया जा सके। अब तक 500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया रायसेन जिले में अब तक 1207.80 मि.मी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में आज 68.00 मि.मी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बाढ़ में फंसे 500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं। जिले के बाड़ी, बरेली, औबेदुल्लागंज तथा मण्डीदीप के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को जिला प्रशासन की टीमों द्वारा राहत शिविरों में पहुँचाया जा रहा है। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव और एसपी श्रीमती मोनिका शुक्ला द्वारा राहत एवं बचाव कार्यो की सतत् निगरानी की जा रही है। बारना डेम तथा बरगी डेम से छोड़े गए पानी एवं निरंतर वर्षा के कारण बरेली के निचले इलाकों में बाढ़ एवं जल-भराव की स्थिति निर्मित हुई है। पुलिस और होमगार्ड की टीम द्वारा 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालकर स्कूल में बनाए गए राहत शिविरों में पहुँचाया गया। प्रशासन द्वारा मुस्तैदी से निचली बस्तियाँ खाली कराई गई है। बाड़ी-बरेली क्षेत्र के गाँवों में पुलिस तथा होमगार्ड की रेस्क्यू टीम द्वारा ग्राम चारगांव के 14, ग्राम हरसिली के 09 तथा गडरवास के 12 व्यक्तियों को नाव के जरिए निकालकर सुरिक्षत स्थान पर पहुँचाया गया है।

संपादकीए

कोरोना महामारी से कम भय से ज्यादा मरीज मरे

कोरोना संक्रमण की महामारी को लेकर जापान सारी दुनिया के देशों के लिए एक मॉडल के रूप में सामने आया है। उसके बाद भी कोरोना महामारी को लेकर सारी दुनिया में जो हाय तोबा मची हुई है। वह महामारी की पोल खोलने के लिए पर्याप्त है। भारत में कोरोना महामारी से कम और कोरोना के भय से सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए 40 दिन का जो लॉकडाउन लागू किया गया महामारी को लेकर भय फैलाया गया। लोगों को घरों के अंदर बंद कर दिया गया। कोरोना संक्रमण को लेकर जिस तरह का भय फैला, उससे हर व्यक्ति यहां तक की डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मी एवं अन्य लोग बुरी तरह से घबरा गए। रही सही कसर कोरोना टेस्ट ने पूरी कर दी। जिस मरीज में बीमारी की कोई लक्षण नहीं थे। उसे भी कोरोना पॉजिटिव बताकर आतंकियों की तरह घर से उठाकर अस्पताल में ले जाकर अलग-थलग छोड़ दिया गया। पूरी गली और मोहल्ले मैं बैरियर लगा दिए गए। भय के कारण परिवार और रिश्तेदार सबने एक दूसरे से दूरी बना ली। भय के कारण लोगों की इम्युनिटी बड़ी तेजी के साथ घटी, और कोरोना से संक्रमित होने और मरने वालों की संख्या बढ़ती चली गई। 29 मार्च 2020 को लॉकडाउन के बाद मैंने संपादकीय में लिखा था कि जापान से सबक ले भारत। इस पर हमारे मित्रों और सत्ता में बैठे हुए कुछ लोगों ने बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, कि भारत की आबादी 130 करोड़ है। जापान से भारत का मुकाबला करना ठीक नहीं है। 5 माह के पश्चात जापान ने यह साबित कर दिया है, कि कोरोना महामारी से सरकार और वहां की जनता ने किस तरह से निपटा है। भारत और चीन के सबसे निकटवर्ती देशों में जापान शामिल है। कोरोना का सबसे पहला संक्रमित मरीज मिलने के बाद से ही जापान ने सतर्कता बरतना शुरू कर दी थी।जापान की कुल आबादी लगभग 13 करोड़ है। कोरोना महामारी सारी दुनिया के देशों में पहले के बाद जापान ने आपातकाल लगाने की घोषणा की। जापान की सरकार ने लोगों से घरों से निकलने और काम काज करने की पूरी छूट आपातकाल के दौरान दी।स्कूल कॉलेजों को जरूर सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दिया गया। उल्लेखनीय है, जापान की 26 फ़ीसदी आबादी 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की है। सरकार ने बुजुर्गों पर कोई प्रतिबंध लागू नहीं किए। प्रारंभिक दौर में यह माना गया था कि कोरोना से संक्रमित लोगों में सबसे ज्यादा बुजुर्ग लोग होते हैं।जापान ने डब्ल्यूएचओ के निर्देशों का पालन नहीं किया। जापान में केवल 0.2 फ़ीसदी कोरोना के टेस्ट किए। जिन लोगों में कोरोना से संक्रमित होने का लक्षण था, केवल उन्हीं लोगों के टेस्ट किए गए। वहीं डब्ल्यूएचओ ने सभी जगह लॉकडाउन लगाने की अनुशंसा की। सारी गतिविधियां बंद करा दी गई। जिन देशों ने डब्ल्यूएचओ की सलाह मानी, वहां पर सबसे ज्यादा कोरोना की महामारी फैली। अगस्त माह में अब यह स्पष्ट हो गया है। जापान में 66423 कोरोना वायरस से कुल संक्रमित मरीज पाए गए। जिनका उचित ढंग से उपचार संभव हो पाया। 55341 मरीज ठीक होकर घरों में वापस लौट गए। केवल 1255 मरीजों की मौत हुई।इसमें से अधिकांश मरीज जिनकी जापान में मृत्यु हुई है, वह काफी वृद्ध और कई अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। जापान आज दुनिया के दूसरे नंबर की सूची में शामिल है।जहां कोरोना का सबसे कम प्रभाव देखने को मिला है। जापान में कोरोना से सबसे कम मरीजों की मृत्यु हुई है। डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) ने जिस तरीके के मार्गदर्शन और प्रतिबंध के लिए सारी दुनिया के देशों को बाध्य किया। उसके कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी की चपेट में आ गए। करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए सारे उद्योग धंधे बैठ गए। वहीं दवाई बनाने वाली कंपनियां, कोरोना संक्रमण से संबंधित उपकरण, मास्क, सैनिटाइजर, टेस्ट किट, इत्यादि का व्यापार बड़ी तेजी के साथ बढ़ा। यहां तक की विभिन्न फार्मास्यूटिकल कंपनियों द्वारा शोध के नाम पर भय का वातावरण बनाकर अरबों खरबों रुपए का नया व्यापार खड़ा कर लिया है। उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में अब चर्चा होने लगी है।लगभग- लगभग सभी लोकतांत्रिक देशों में कोरोना संक्रमण के नाम पर भारी भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर होने की बात सामने आ रही है।

एक इंतज़ार ऐसा

विधा - कहानी

मैं अभी भी वहीं बैठी हूँ। बादल के उस छोटे से टुकड़े पर!

कितने घण्टों सेयाद नहीं!

अब यहाँ घण्टों-मिनटों का हिसाब रखने वाली घड़ी की जरूरत किसे थी!ना वहां जैसी भागदौड़!

उस जहां को छोड़ कर आ तो गयी , पर मन का क्या करूँ?जो वहीं अटका पड़ा था।कैसे लोग बोलते हैं,जब तक जान है,तब तक जंजाल!एक बार सांस रुकी नहीं कि स..ब.ब..झंझटों से मुक्त! कितना गलत कहते थे,यहाँ आकर कौन सी मुक्ति मिल गयी? एक तो पूरी जिंदगी वैसे ही समझौतों में कट गयी।

छोड़ो.. जाने दो....अब रहने भी दो.. थोड़ा बर्दाश्त कर लो... ! यहीं थोड़ा-थोड़ा करके हम मरते चले जाते हैं! धीमा जहर!!! उस धीमे विष का दंश इतना गहरा है की लिबास उतारने पर भी मुक्त नहीं हो पाई!

झूठी मुस्कुराहट चेहरे पर लपेट कर खुश रहने का सबूत देती रही। अभी भी यहीं देखकर आ रही हूं।लाल जोड़े में सजा अपना बेजान शरीर,रोते बिलखते रिश्तेदार!वे रिश्तेदार जिन्होंने जिंदगी में मुझे दुख पहुंचाने का कोई भी मौका हाथ से जाने न दिया।

÷अब कैसी हो÷? तन्द्रा टूटी।मुड़कर देखा ऊपर से नीचे तक सफेद लबादे ओढे !अप्सरा थी या साध्वी ..!!पर चेहरे पर अलग ही तेज़! आप कौन हैं÷?मैंने पूछा। ÷सहायिका हूँ यहाँ की÷! मधुर सी आवाज़ आयी ÷समझ सकती हूं तुम्हारी बेचैनी को, पर परेशान मत हो।कुछ देर में तुमपर हम एक लेप चढ़ायेंगे, तुम पिछ्ला सब कुछ भूल जाओगी। फिर हम तुम्हें वापस एक नई दुनिया में भेज देंगे हां... !उससे पहले तुम्हें कुछ बताना होगा हमें।अपनी पसन्द-नापसंद।जिससे हम नयी दुनिया में कुछ लोग तुम्हारी पसन्द के डाल सके÷ आपलोग इतना सोचते हो।मुझे अच्छा लगा सुनकर।कहीं तो कोई है जो मेरी पसन्द नापसंद जानना चाहता है÷। मैं हैरान थी सुनकर ÷सबके लिए नही सोचते÷..। उसने हँसकर कहा। ÷तुम अपराजिता हो!हालात कैसे भी रहे,तुमने उसका सामना किया।इसीलिए ये खास उपहार है तुम्हारे लिए÷! --कहकर उसने हवा में उंगलियाँ लहराई।ढेर सारे चेहरे दिखने लगे।सारे वहीं जिन्हें अलविदा तक कहने का मौका नहीं मिला था दो दिनों से सीने के जिस दर्द को मामूली समझती रही।उसने दबे पांव मौत को आवाज़ दे दी।ऐसी सोई की आँखें खुली ही नही। ÷देख लो आराम से..जब हो जाये,मुझे आवाज़ लगा देना।पर याद रखना,इनके जैसे मिलेंगे!!ये नहीं÷!! उसने मेरे सर पर प्यार से हाथ फेरा। मैं एक एक कर देखने लगी।सारी तस्वीरों के बीच तुम भी थे।मैं देखती रह

गयी।आँखें भींग गयी।अब नहीं देख पाऊंगी तुम्हें दुबारा।आह..! कितनी प्यारी तस्वीर है!मेरी उँगलियाँ तुम्हें छूने लगी!ब्लैक टी-शर्ट में! कमर पर हाथ रखे।मुस्कुराते हुये तुम! कई बार तुमने कहा,तुम्हें मेरे लिप्स पसन्द थे,पर मैंने कभी नहीं कहा की तुम्हारी मुस्कुराहट मुझे कितनी पसन्द है। वैसे तुम्हारी कौन सी बात मुझे पसन्द नहीं थी??कोई भी नहीं...माना तुम्हारी जिंदगी में अधूरापन था।पर तुम पूरे थे मेरी नज़र में।कोई कमी नहीं।खड़ूस भी थे पर मेरी पसन्द में तुम्हारा ये खड़ूसपना भी शामिल था। तुम्हें देखना, तुमसे बात करना, हमेशा ही सुकून देता था। तुम्हारी डाँट में मिठास थी।शहद सी। तुम मेरी जिंदगी में शामिल नहीं होकर भी शामिल थे।ठीक है कि तुम्हारी लाइफ पार्टनर कोई और थी और मेरा कोई और।क्या फर्क पड़ता है जब मैंने कभी भी अपनी कोई सीमा रेखा नहीं लांघी। पर मेरी कुछ ख्वाहिशें थी।तुम्हारे साथ खाली वीरान सड़कें नापते हुए ढेर सारी बातें करना।उम्मीदों की! जज्बातों की!तुम्हारे साथ अनगिनत लम्हें संजोना। तुम्हें शायद पता भी नही होगा इन लम्हों को मैंने कल्पनाओं में कई बार जीया भी।खाली पड़ी सड़कें, हरे भरे पहाड़,झील,खूबसूरत फूल सब तुम्हारे साथ।तुमने हँसी-हँसी में मुझे एक नाम दिया था।परबतिया!

मैंने अपनी डायरी में ये नाम तुम्हारे सरनेम के साथ लिखा है।

÷आपने कुछ पसन्द किया÷?

वहीं जानी पहचानी सी आवाज!

--देखा वो पीछे आकर खड़ी है।

मेरी हथेली अब भी तुम्हारी ही तस्वीर पर थी।

÷इनके जैसा चाहिए÷?उसने पूछा।

÷नही! यही चाहिए÷! मैंने कहा।

÷ये नहीं हो सकता इन्हें अभी 30,35 साल तक वही रहना है÷।उसने ना में सर हिला दिया।

÷मैं इंतज़ार करूँगी÷ !मेरे स्वर में दृढ़ता थी।

÷ऐसा कैसे हो सकता है?तुम जानती हो, ये इंतज़ार बहुत लंबा है..तुम्हें एक वीरान सी जगह पर भेज दिया जायेगा।ऐसे में हम तुमपर पिछ्ला सब भुलाने वाला लेप भी नही चढ़ा सकते।ये अकेलापन किसी यातना से कम नही होगा।वर्षों का इंतज़ार है!कर पाओगी÷?

-- वो अब भी मुझे समझाने के प्रयास में लगी थी।

हाँ .. करुंगी, सदियां भी क्यों न लग जाये !मंजूर है।बस मेरी एक ख्वाहिश है! पूरी करेंगी÷?

मैंने पूछा।

÷हाँ! बिल्कुल! बोलो÷! वो स्नेह से मुझे देख रही थी।

÷मुझे एक साड़ी मिलेगी?काले रंग की÷!

वो हंसने लगी--

÷तुम आत्मा हो अब! रंगों का ,परिधानों का मोह अब भी÷?

÷मोह नहीं पसन्द है किसी की।मुझे इसी रंग की साड़ी में उसका इंतजार करना है÷। मैने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

कुछ घण्टों बाद कोई बैठ गया था एक अंतहीन इंतज़ार पर..!

सुनो!तुम जहां कहीं भी हो! जी लो अपनी जिंदगी!जो-जो सपने पूरे कर सकते हो कर लो!जितनी खुशियां समेट सकते हो समेट लो।पर जब उस जहां को अलविदा कहने का वक़्त आये तो सीधे यहाँ आ जाना। कोई है जो तुम्हारी पसन्द के लिबास में हथेली पर अपना चेहरा टिकाए तुम्हारी राह देख रहा है...

परिचय - मौसमी चन्द्रा
कहानीकार व कवयित्री
पटना,बिहार

कविता

जन्मदिवस की बधाई

रिश्ता यह नहीं खून का
न रिवाज़ों से यह बंधा है ।
सबसे अज़ीज़ मेरे दिल को
यह %नेह% का बंधन है ।।

जब भी मैं उलझन में होती
हर उलझन दूर वो करती है ।
कभी-कभी इक मां की तरह
मेरा ख़याल वो रखती है ।।

खनकती-सी हँसी उनकी
हर फ़िज़ा ख़ुशनुमा कर जाती है ।
चाँद की चंचल %चांदनी%-सी
वो हरपल सबको भाती है ।।

प्यार से ÷ज़न्नत÷ कहते उनको
खुशियों का वो खज़ाना है ।
हम सबके लिये तो वो जैसे
ख़ुदा का एक नज़राना है ।।

पास मेरे चाहे न रहे
पर साथ हरदम रहती है ।
कभी डांटकर कभी प्यार से
वो मुझको समझाती है ।।

शुभता का आलम हो हरपल
कभी गम का साया न पड़े ।
खुशियों की बरसात हो वहाँ
पग जहाँ पर उनके पड़े ।।

खुश रहें आप हरपल
दिल से मेरे दुआ आयी ।
जन्मदिवस पर आपको
देती ÷मनु÷ बधाई ।।

मोनिका राज
मुरलीगंज , मधेपुरा, बिहार

कविता

मैं आईएएस बनना चाहता हूं

उत्कृष्ट नेतृत्व करना चाहता हूं
मैं आईएएस बनना चाहता हूं

आज कर रहा हूं मेहनत गम्भीर
जैसे पानी देता पत्थर को चीर
आनंद नहीं अभी मेहनत बाकी
तोड़ रहा हूं आलस की ज़ंजीर
कुछ मुँह बंद करना चाहता हूं
मैं आईएएस बनना चाहता हूं

मेहनत तो काफ़ी ज्यादा होगी
पर, मंजिल भी बेहतर होगी
लाखों चाहते यह मंजिल है
इसे पाना थोड़ा मुश्किल है
अब मंजिल अवश्य झुकेगी
ये सफ़लता अवश्य मिलेगी
अभी बहुत लड़ना चाहता हूं
मैं आईएएस बनना चाहता हूं

कवि दशरथ प्रजापत
पथमेड़ा, जालोर (राजस्थान)

साहित्यिक प्रदुषण एवं बिकता सम्मान

एक दौर हुआ करता था,जब कवि या साहित्यकार को समाज में एक विशेष सम्मान दिया जाता था। उस दौर में कवि को कवि महोदय या कविराज जैसे सम्मान जनक नाम से सम्बोधित किया जाता था इसका मुख्य कारण था , उस दौर के रचनाकारों का लेखन स्तर बहुत उम्दा और उच्च हुआ करता था, उन्हें छन्द विधान,अलंकार , काव्य गुण -दोष आदि बातों का पूर्ण ज्ञान हुआ करता था। किन्तु आज परिस्थितियां पूर्णतः भिन्न है।आज के दौर के होनहार कवि को यह भी नही पता होता की कविता में छोटी इ की मात्रा आएगी या बड़ी ई की और वे भी साहित्य रत्न से सम्मानित होते है जिन्हें साहित्य की परिभाषा तक नही पता। और तो और वे लोग भी अखबारों में धूम मचा रहे है जिन्हें,लेख, आलेख , प्रतिवेदन, निबंध में अंतर नही पता । वे लोग बेस्ट राइटर से सम्मनित हो रहे है जिनके भाव पक्ष और कला पक्ष के कोई ठिकाने नहीं है।

आखिर ऐसा क्यों...? इसका कारण क्या है...?

1.इसका सबसे बड़ा कारण है व्हाट्सएप ओर फेसबुक के वे छोटे -छोटे ग्रुप जो ऐसे ही बिना बात के सम्मान पत्र बांटते है ,प्रतियोगिता करवाई जाती है । बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा जाता है सम्मान पत्र मात्र 21 रुपए में मात्र 51 रुपए में यही साहित्यिक प्रदूषण की जड़ है।इसमें वे तमाम लोग सम्मानित होते है ,जो कविता के नाम पर कुछ भी लिखते है और कुछ वे लोग भी जो दूसरे की रचना पर अपना नाम चिपका कर प्रस्तुत कर देते है।

2. इसका दूसरा महत्वपूर्ण कारण है,वे समाचार पत्र जो कुछ पैसों के चक्कर में अपना ईमान देते है,और ऐसे ऐसे लोगो को साहित्य का सितारा बनाकर प्रस्तुत करते है जिनको उनकी गली में कोई जानता तक नहीं।

ऐसे चोर सम्पादकों को जो वो लोग भेजते है पूरा का पूरा ज्यों का त्यों छाप देते , चाहे उसका भाव पक्ष एवं शिल्प पक्ष शून्य हो। जिसने जितना ज्यादा पैसा दिया उसको उतना ज्यादा स्पेस,जहाँ योग्यता का पैमाना रचनाकार का लेखन नही उसके द्वारा दिया गया पैसा है,इसी चक्कर मे हर कोई कवि से राष्ट्रीय कवि बन जाता है

3. इसका एक बड़ा कारण है नवोदित रचनाकारों का दमन जो ख्यातनाम कवि नवोदित रचनाकारों को मंच देना तो दूर नवोदित के साथ मंच पर बैठना पसन्द नही करते ।

लेकिन जब बात स्वयं के फॉलोवर्स बढाने की आती है तो सबसे ज्यादा उपयोग उन्ही रचनाकारों का होता है जिनका उन्होंने दमन किया होता है।

लोक डाउन के दौरान हमने देखा कई मंचीय कवियों ने अपने पेज पर फॉलोवर बढ़ाने के लिए दिन में चार चार बार लाइव काव्य पाठ करवाया। उनके अनुसार वे नवोदित को मंच दे रहे थे । किंतु सत्य यह है कि वे केवल और केवल उन नवोदित रचनाकारो का उपयोग अपने फॉलोवर्स बढाने के लिए कर रहे थे।

4.इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण वे संस्थाए होती है जो कहती है हम राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम कर रहे है और आपको मात्र 1500 रुपये में आपको सम्मानित कर देंगे। और मात्र 1500 रुपए में वह व्यक्ति भी साहित्य रत्न से सम्मानित हो जाता है जिसे इस क्षेत्र में 1 प्रतिशत भी अनुभव नही है और इस तरह एक गली का कवि मात्र 1500 रुपए में राष्ट्रीय कवि बन जाता है।

तो , क्या किया जाए ..?

इस सहित्यिक प्रदुषण को कैसे रोका जाए...?

जब तक कवि का या कविता के मूल्यांकन का पैमाना मंच,पैसा, या सम्मान होगा तब तक यह प्रदूषण रुकना संभव नही है।

मैं यहाँ किसी ऐसे संस्थान का नाम नही लिखूंगा जो सम्मान बेच रही हो और न ही किसी समाचार पत्र , प्रकाशक का अथवा व्यक्ति विशेष का नाम लिखूंगा ।

आप साहित्यिक क्षेत्र से आप सब जानते है, ओर आपके ही सहयोग से यह साहित्यिक प्रदुषण समाप्त होगा। तो इस प्रकार के संस्थान समाचार पत्र अथवा व्यक्तियों से उचित दूरी बनाए रखे।

शुद्ध सृजन करें भले टूटा फूटा लिखें पर स्वयं का लिखें और नियमित लिखें सम्मान के लिए न पैसे दे न पैसे ले।

दीपेश पालीवाल
उदयपुर राज.

प्रार्थना

हे हंस वाहिनी ! शारदा माता7
नित्यं वरं देहि सरस्वती माता7
1. धवला वस्त्रा धारिणी माता,
हस्ते वीणा धारिणी माता7
अन्धकार विनाशिनी, धवलता प्रकाशिनी
नित्यम वरं देहि सरस्वती माता7
2. शुभ्रा माला कण्ठे धारिणी,
श्वेत पद्मासना दुःख निवारिणी7
जड़ता निवारिणी, बुद्धि प्रकाशिनी
नित्यम वरं देहि सरस्वती माता7
3.सुरनर मुनिभि॰ सेवित माता,
लक्ष्मीस्र्या या प्रेषित माता 7
स्वर्ग निवासिनी मङ्गलदायिनी
नित्यं वरं देही, सरस्वती माता 7
4.प्रतिजन॰ यस्या॰ सेवा कुर्वन्ति,
सेवका॰ मातुर्ध्यानं धरन्ति7
ज्ञानं ददातु बुद्धि॰ प्रकाशतु,
नित्यं वरं देहि सरस्वती माता7

रचनाकार -अशोक कुमार पारीक
अध्यापक रा.उ.प्रा.वि.रूपादेवी,बालोतरा

रिश्ते

रिश्ते जिसका बहुत महत्व है पर अब इस महत्व को कोई समझना नहीं चाहता क्योंकि लोग बस भाग रहे एक से रिश्ता हटा तो दूसरा मिलेगा दूसरे से हटा तो तीसरा मिलेगा पर वह यह समझने के लिए तैयार नहीं है कि जब हम एक रिश्ते को सही ढंग से नहीं निभा सकते हैं रिश्ते की वजूद में टिक नहीं सकते हैं तो हम कब तक भागेंगे और कहां तक भागेंगे कम से कम पहले के लोग पैसे नहीं कमाते थे पर रिश्ते बहुत थे पर आज तो पैसे बहुत कमाते हैं पर शायद रिश्ते बहुत कम, कई बार सोच कर दुख होता है यह रिश्ता अपना अस्तित्व ही खोता जा रहा है जहां मुट्ठी भर माफी से रिश्ता बहुत अच्छा हो जाया करता था आज तो लोग रिश्ते की बचाने की वजह उसमें अपना अहम भरते हैं और सोचते हैं ठीक है एक रिश्ता तो खत्म हुआ दूसरा रिश्ता मिल जाएगा पर यह नहीं सोचते हैं कि रिश्ता खत्म नहीं किया है उस रिश्ते का जिसमें शुरुआती वजूद एक ऐसा प्यार एक ऐसे बिश्वास से शुरू हुई थी उस बुनियाद को खत्म किया है और जब आपने किसी बुनियाद को खत्म किया तो यानी आप बहुत ही नासमझ इंसान है जिसने ना कभी किसी के दर्द को महसूस किया ना ही उससे होने वाली तकलीफ का, कितना आसान है सब सफर जो लोग बस छोटी-छोटी बातों में बड़े से बड़े रिश्ते को तोड़ देते हैं एक बार भी यह नहीं सोचते हैं छोटे से झगड़े एक दूसरे को समझा कर ठीक किया जा सकते है पर ऐसा नहीं होता है क्योंकि जहां जिस जगह प्यार ने जन्म लिया था उसकी जगह लोग नफरत को जगह देते हैं खुद को सही और सामने वाले को पूरी तरह से गलत मान कर चलते हैं और उस रिश्ते की सलाह हर किसी से लेते हैं शायद उन लोगों से जिन्हें रिश्ते की समझ भी ना हो और अपने आप को रिश्ते का बहुत बड़ा सलाहकार मानते हैं पर ऐसे लोग नहीं समझते क्या की आपने किसी रिश्ते को खत्म करवा कर एक शायद पाप किया है और जिस पाप का पीछा एक बद्दुआ बनकर पूरा जीवन आपका पीछा नहीं छोड़ती क्योंकि दुआ हो या बद्दुआ पीछा नहीं छोड़ती कभी , रिश्तो में जो पहले मिठास हुआ करती थी अब वह खटास में बदल जाती है बस पल भर कोई सोचने के लिए तैयार नहीं है कि इंसान तो गलतियों से ही बना है और जिस इंसान ने गलती नहीं की तो शायद इंसान भी नहीं है और ना ही उसने कुछ सीखा है पर छोटी सी गलतियों को भी लोग बहुत बड़ा बना कर उस इतने बड़े रिश्ते को खत्म कर देते हैं जिसका शायद जीवन बहुत बड़ा था कभी-कभी सोचता हूं कि लोग इतने समझदार हो गए हैं या इतने बेवकूफ कि जहां दिमाग लगाना चाहिए वहां दिल लगाते हैं और जहां दिल लगाना चाहिए वहां दिमाग लगाते रिश्ता कभी भी दिमाग से नहीं चलाया जा सकता है उसके लिए एक अच्छा दिल का होना बहुत जरूरी है और यह वही समझ सकता है जिसके अंदर एक अच्छी समझदारी और किसी की सुनने का साहस हो पर लोग तो बस अपना फायदा देखते हैं अगर वह आपसे रिश्ता भी जोड़ते हैं तो बस इसलिए कि जब तक काम निकल रहा है काम निकालिए बाकी फिर दूसरा ढूंढ लीजिए पर यह नहीं समझते हैं कि समय बहुत बलवान है जिसे आपने कोयला समझ कर छोड़ा होगा वह एक दिन हीरा बनकर निकलेगा शायद तब उसकी चमक आपको दिखाई दे तब शायद आप उसको पाना भी चाहे पर तब तक शायद वह इतना दूर इतना महंगा हो चुका होता है कि जिसे आप हासिल नहीं कर सकते फिर उसको देखकर प्रायश्चित करते हैं यह प्रायश्चित पहले क्यों नहीं,यह किसी को खोने के बाद क्यों किया जाता है अगर रिश्ता आपका था तो उसको आप वक्त देते उसको आप समझते पर आपने कभी उसको समझा तक नहीं ना ही कभी उसको संभालने की कोशिश की लोग अब रिश्ते में बस नीचा दिखाना चाहते हैं और उसको खत्म कैसा किया जाए उसके लिए पैंतरा अपनाते हैं और वह यह नहीं समझ पाते कि जिस रिश्ते की शुरुआत हमने इतनी खूबसूरत की थी उस रिश्ते का अंत इतना तकलीफ भरा क्यों हो रहा है अगर एक दूसरे को समझ ले तो शायद कभी रिश्तो का अंत ना हो लेकिन आज एक इंसान आपके पीछे बस संभालने में लगा रहता है और दूसरा उसको बस नीचा दिखा कर उससे दूर भागने में वह यह समझना ही नहीं चाहता कि जिस रिश्ते को उसने खत्म किया था उस रिश्ते में उसने कभी खुद को जिया भी है जितना वह एक दूसरे के लिए बेहतर हो सकते हैं उतना शायद और कहीं नहीं पर खुद में बस यह सोचकर रिश्ता खत्म करते हैं कि इससे भी कुछ बेहतर हो सकता है पर यह समझ नहीं पाते हैं कि बेहतर की तलाश में कई बार हम बेहतरीन को भी खो देते हैं और यह समझ किसी को खोने के बाद आती है आज कल रिश्ते बस एक टाइमपास की तरह रह गए कि जब तक हम किसी रिश्ते में हैं जब तक हमारा मन भर रहा है तब तक तो ठीक जैसे उससे मन भर जाता है तो रिश्ता भी खत्म एक ऐसे कीमती रिश्ते को लोगों ने बस अपने टाइमपास का और मनोरंजन का साधन बना रखा है पर वह नहीं समझ पाते कि उन्होंने क्या खो दिया और अपने लिए किस भविष्य का निर्माण किया यह वह भूल जाते हैं कि हम जो करते हैं उस कर्म का भोग हमें आज नहीं तो कल वापस मिलता है आज हम छोटे से गुस्से के लिए एक बहुत प्यार भरा रिश्ता भी तोड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं पर यह नहीं समझ पाते कि जब हम आज एक रिश्ते को नहीं संभाल पाए तो कल हम बड़ी जिम्मेदारियां कैसे संभाल पाएंगे पर हर किसी को बस यह है कि हमें क्या यह नहीं तो कोई और रिश्ता चलेगा और यही बस यही करते-करते जीवन बीत जाता है और बस मन में एक मलाल रह जाता है कि हमें किसी ने समझा होता पर भूल जाते हैं कि हमने किसे समझा था कभी किसी के लिए खुद को समर्पित करना अच्छी बात है पर किसी का समर्पण पाना भी एक रिश्ते की खूबसूरती का प्रमाण है जो कि अब बस यह भद्दा मजाक बनकर रह गया लोग यहां बस तब तक आपके लिए हैं जब तक आप उनके काम के हैं जैसे ही आप से काम खत्म तब वह आपसे भी उतनी ही जल्दी नजरें फेर लेते हैं फिर चाहे आप कुछ भी सोचते रहें उन्हें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वह आज के समय के हिसाब से खुद को बहुत प्रैक्टिकल समझते हैं और यह मानते हैं कि हमें इन सब से क्या फर्क पड़ता है पर वह भूल जाते हैं कि एक दिन फर्क सबको पड़ता है आज अगर किसी और की बारी है तो कल आप की भी बारी आएगी क्योंकि यह समय है और यह किसी का पीछा नहीं छोड़ता है इसलिए रिश्ते का महत्व समझे इस रिश्ते के जीवन को सीचें और उसे नई दिशाएं दें आज विदेशी भी अपने पुराने कल्चर को छोड़कर रिश्तो को निभाना सीख रहे हैं और हम उनके कल्चर को अपनाकर अपने रिश्तो को बस तोड़ते हैं और इस खुशी में जीते हैं कि आज एक गया तो कोई दूसरा रिश्ता मिल जाएगा पर यह नहीं समझते की रिश्ते कोई गाड़ी या कोई समान नहीं है एक जाएगा तो दूसरा उसी तरह मिल जाएगा इसलिए रिश्तो के वजूद को बचाइए रिश्तो को समझने का प्रयास कीजिए रिश्तो को आजमाने से अच्छा है उसको संभालना सीखिए क्योंकि यह वह पूंजी है कि जहां पैसा भी काम नहीं आता वहां यह रिश्ते काम आते हैं..।

अरविंद द्विवेदी
जयोतिष और परामर्शदाता

हैकबेरी में ब्रैडले बीयर्ड अपने क्षतिग्रस्त घर में पानी बंद करने के वाल्व की तलाश करते हुए।

'अल्कोलॉक्स' से रुकेंगे हादसे, वाहन चालक ने ज्यादा शराब पी होगी तो स्टार्ट ही नहीं होगा इंजन

लंदन। सड़क दुर्घटनाओं की एक बड़ी वजह शराब पीकर गाड़ी चलाना है। ब्रिटेन में शराब पीकर वाहन चलाने के चलते होने वाली घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष तरीका अपनाने की योजना बनाई गई है। ऐसे मामलों में दोषी पाए गए लोगों की कारों में ब्रेथ एनालाइजर उपकरण 'अल्कोलॉक्स' लगाया जाएगा। यह ऐसा उपकरण है, जिसे वाहन में लगाने के बाद यदि ड्राइवर ने शराब पी होगी तो वाहन चालू ही नहीं होगा। अल्कोलॉक्स को औपचारिक रूप से अल्कोहल इग्निशिन इंटरलॉक्स के नाम से जाना जाता है। यह परंपरागत ब्रेथ एनालाइजर की तरह ही काम करता है। यदि वाहन चालक में शराब की पुष्टि होती है तो सिस्टम 24 घंटे तक वाहन के इंजन को लॉक कर सकता है। निर्धारित सीमा से अधिक होने पर वाहन तब तक स्टार्ट नहीं होगा, जब तक की अगली बार शराब की सीमा कम नहीं आती है। शराब

पीकर दुर्घटना के दोषी कार चालकों की कारों में यह उपकरण लगाया जाएगा। उन्हें कार स्टार्ट करने से पूर्व ब्रेथ टेस्ट देना होगा। ब्रिटेन की सड़कों पर शराब पीकर वाहन चलाने और दुर्घटना करने के मामलों में 3 फीसदी की बढोतरी दर्ज की गई है। जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। कार चालक को कार में बैठने के बाद अल्कोलॉक में फूंक मारनी होगी, फूंक मारने से अल्कोहल के स्तर की जांच हो जाएगी। इस टेस्ट के बाद यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वाहन को शुरू किया जा सकता है या नहीं। यदि अल्कोहल का स्तर निर्धारित सीमा के नीचे है तो वाहन स्टार्ट हो जाएगा। लेकिन अगर विश्लेषण में आया कि वाहन चालक ने ज्यादा शराब पी रखी है, जो गाड़ी चलाने के लिहाज से खतरनाक है, तो कार का इंजन लाक हो जाएगा और बाद में फिर ऐसे ही परीक्षण से गुजरने के बाद ही इंजन स्टार्ट किया जा सकेगा।

तस्करी के मामले बढ़ते देख कोरोनाकाल में भूटान ने अस्थाई रूप से हटाया तंबाकू पर से प्रतिबंध

थिम्पू। भूटान ने अब कोरोना महामारी की वजह से तम्बाकू से प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया है। धूम्रपान को ज्यादातर बौद्ध देशों में पाप माना जाता है। यहां माना जाता है कि तम्बाकू का पौधा एक दानव के रक्त से विकसित हुआ है। लगभग 7 लाख 50 हजार की आबादी वाले इस देश ने 2010 में तंबाकू की बिक्री, निर्माण और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन धूम्रपान करने वालों को भारी शुल्क और करों का भुगतान करने के बाद तम्बाकू उत्पादों की नियंत्रित मात्रा में आयात करने की अनुमति दी गई थी, जिससे भारत से सटी सीमा पर तस्करी करके लाए जा रहे सिगरेट के काले बाजार को फलने फूलने का मौका मिला।

महामारी के कारण भूटान ने इस साल की शुरुआत में भारत के साथ लगी अपनी सीमाओं को बंद कर दिया था। भारत में कोरोना संक्रमण के लगभग 35 लाख मामले है, जबकि भूटान में मात्र 200 मामले दर्ज किए गए हैं। कोरोना के कारण सीमा सील होने के चलते भूटान में तम्बाकू के तस्करों का घुसना बंद है इसलिए भूटान में तम्बाकू के दाम चार गुना बढ़ गए हैं। इस दौरान कुछ लोग भूटान के अंदर घुसने में सफल रहे। ऐसे में एक भूटानी वर्कर जो भारत से आये सामन की देखभाल का काम करता था, उसे भूटान के सीमावर्ती शहर में कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इस घटना से भूटान के प्रधानमंत्री और योग्य चिकित्स्क लोटे त्शेरिंग को इस मुद्दे पर दोबारा विचार करना पड़ा। उनके प्रशासन ने सिगरेट की मांग के चलते तंबाकू की बिक्री पर लगे 10 साल पुराने प्रतिबंध को हटा दिया साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय अस्थायी है। प्रशासन ने यह माना है कि जो लोग तम्बाकू पीने के आदी हैं और घरों में बंद हैं उनके लिए यह तनाव का कारण बन सकता है। राष्ट्रीय मीडिया के लिए काम करने वाले 35 साल के रिग्याल चौफेल बहुत लम्बे समय से सिगरेट पी रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियमों में ढील से उन्हें बहुत राहत पहुंची है।

कोरोना के कारण बांग्लादेश में तीन अक्टूबर तक नहीं खुलेंगे शैक्षणिक संस्थान

ढाका। कोरोना वायरस महामारी के चलते बांग्लादेश ने शैक्षणिक संस्थानों को तीन अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला किया है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा मदरसों को हालांकि इससे छूट रहेगी। मार्च में देश में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद से ही देश में विद्यालयों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया गया था। बाद में शैक्षणिक संस्थाओं को बंद रखने की अवधि को कई बाद बढ़ाया गया। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कौमी मदरसों को छोड़कर सभी शिक्षण संस्थाओं में छुट्टियों को वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के कारण तीन अक्टूबर तक बढ़ाया जाता है। कौमी मदरसे बिना सरकारी निगरानी, पर्यवेक्षण या सहायता के संचालित होते हैं। उनका संचालन अधिकतर निजी दान से होता है।

अश्वेत को गोली मारने के विरोध में अमेरिका में सड़कों पर उतरे लोग, न्याय बिना शांति नहीं के नारे लगाए

न्यूयार्क। अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक अदालत के बाहर शनिवार को लगभग एक हजार प्रदर्शनकारियों की भीड़ एकत्र हो गई और उन्होंने एक व्यक्ति एक मत तथा न्याय बिना शांति नहीं के नारे लगाए। पुलिस के एक अधिकारी ने एक सप्ताह पहले जैकब ब्लेक नामक अश्वेत व्यक्ति को पीठ में गोली मार दी थी जिससे वह अपंग हो गया था। इसके बाद से एक बार लोगों ने फिर से प्रदर्शन शुरु कर दिए हैं ।प्रदर्शनकारी केनोशा स्थित अदालत परिसर की ओर बढ़ते हुए सात गोली, सात दिन का नारा भी लगा रहे थे। गौरतलब है कि ब्लेक को सात दिन पहले सात गोलियां मारी गई थीं। प्रदर्शनकारियों में शामिल ब्लेक के पिता ब्लेक सीनियर ने व्यवस्था को पुलिस की बर्बरता और नस्लीय भेदभाव को बढ़ावा देने वाला बताया तथा

बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा उनके पुत्र को दर्द निवारक दवाइयां दी गई हैं अब वह होश में है। उन्होंने कहा, वह बहुत दर्द में है। चक्रवात से हुई तबाही का जायजा लेने के लिए शनिवार को टेक्सास पहुंचे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब संवाददाताओं ने पूछा कि क्या वह केनोशा जाएंगे तो उन्होंने कहा, संभव है। उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तार से कुछ नहीं बताया।

बर्लिन में जर्मनी सरकार के कोरोना महामारी से निपटने के तरीके के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

लीबिया में प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के आदेश के बाद गृहमंत्री हुए बर्खास्त

त्रिपोली। लीबिया के गृहमंत्री को प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवाने के लिए बर्खास्त कर दिया गया है। त्रिपोली की सरकार का कहना है कि फाथी बाशघा द्वारा प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवाने के मामले की 72 घंटे के अंदर पड़ताल की जाएगी। खबर के अनुसार यह पहल प्रधानमंत्री फैयाज अल-सराज और गृहमंत्री फाथी बसहागा के बीच बढ़ रहे मतभेदों के चलते ली गई है। फाथी का प्रभाव पोर्ट सिटी और सेना के बेस वाले इलाके मिसराता में काफी ज्यादा है। शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में जनरल नेशनल एसेंबली ने कहा कि बाशघा को अभी अस्थायी तौर पर बर्खास्त किया गया है। बाशघा को त्रिपोली और दूसरे शहरों में हुए प्रदर्शन के दौरान उनके द्वारा दिए गए बयानों के आधार जांच चलाई जाएगी। जनरल नेशनल एसेंबली के अनुसार बाशघा से इसके बारे में पूछा जाएगा कि सुरक्षा प्रबंधों को प्रदर्शनकारियों के साथ हिंसा करने की इजाजत क्यों दी गई ? बाशघा को वर्ष 2018 में त्रिपोली में आक्रामणकारी रवैयों को शांत करने के लिए 14 महीने के लिए एक प्रमुख भूमिका के लिए नामांकित किया गया था।

केनोसा में जैकब ब्लैक के पक्ष में वोट की अपील करती हुई अमांडा बेकर।

ब्रिटेन में ब्रेस्ट कैंसर पीड़िता ने पहले बेटे को डुबोकर मार डाला, फिर किया सुसाइड

लंदन। ब्रिटेन में एक रूसी फाइनेंसर ने खुदकुशी कर ली है। कहा जा रहा है कि स्तन कैंसर से पीड़ित यूलिया गोक्सेडैग ने सुसाइड करने से पहले अपने सात साल के बेटे को डुबोकर मार दिया। मेट्रोपोलिटेन पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय यूलिया और उसका बेटा तिमुर बीते 12 अगस्त से लापता थे। पुलिस को दोनों के लापता होने की चिंता थी और वे उसे ढूंढने में जुटी थी, बाद में उसकी लाश उसके घर में फंदे से लटकी हुई मिली। यूलिया और उसके बेटे तिमुर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई। यूलिया की रिपोर्ट में फांसी लगाने से मौत वजह बताई गई जबकि बेटे की रिपोर्ट में डूबने से मौत का जिक्र किया गया है। यूलिया के दोस्त और पूर्व सहयोगी अग्निऐस्जका लियोनोविक्ज ने बताया कि वह स्तन कैंसर से पीड़ित थी, लेकिन वह बढ़िया काम कर रही थी। हालांकि, उसके पड़ोसी ने बताया कि मैंने उसे कुछ साल पहले अवसादग्रस्त हालत में देखा था। यूलिया के एक दूसरे पड़ोसी ने बतया कि मुझे पता था कि वह स्तन कैंसर से पीड़ित थी। यह बहुत दुखदायी है।

एक सितंबर को धरती के करीब से गुजरेगा एस्टेरॉयड, पृथ्वी से टकराने का खतरा नहीं

वॉशिंगटन। आने वाली एक तारीख यानी 1 सितंबर को 20-40 मीटर चौड़ा एस्टरॉइड 2011इएस4 धरती के करीब से 1 सितंबर को गुजरेगा। इसकी धरती से दूरी फिलहाल 1।2 लाख किलोमीटर आंकी गई है यानी यह धरती और चांद के बीच में काफी करीब होगा। यह दूरी वैसे तो काफी कम है, लेकिन इसके धरती से टकराने की संभावना न के बराबर है। यह ऐस्टरॉइड 2011 में खोजा गया था और तब सिर्फ 4 दिन के लिए इसे देखा गया था। यह अपना एक चक्कर पूरा करने में 1।14 साल लगाता है। धरती के साथ इसकी कक्षा 9 साल में सिर्फ एक बार इसे हमारे करीब लाती है। हालांकि, इसका रास्ता फिर भी काफी अलग होगा और इससे पृथ्वी या पृथ्वी की किसी आर्टिफिशल सैटलाइट को खतरा नहीं है।

कुछ दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले 2 नवंबर को ऐस्टरॉइड 2018 वीपी1 के धरती से टकराने की आशंका जताई गई थी। इस एस्टरॉइड के धरती से टकराने की संभावना 0।41त्न है। हालांकि, बावजूद इससे नुकसान का खतरा नहीं है। दरअसल, कार के आकार का यह ऐस्टरॉइड इतना छोटा है कि वायुमंडल में प्रवेश करते ही यह टूटकर जल जाएगा और धरती पर धूल बनकर गिर जाएगा। नासा की सेंट्री रिस्क टेबल में ऐसे खतरनाक एस्टरॉयड पर नजर रखी जाती है, ताकि भविष्य में इनसे होने वाले खतरे से बचा जा सके। इसमें आने वाले 100 सालों के लिए फिलहाल 22 ऐसे एस्टरॉइड्स हैं, जिनके पृथ्वी से टकराने की संभावना है। धरती को सबसे ज्यादा खतरा अगर किसी एस्टरॉइड से है, तो वह है 29075 1950 डीएआई यह एस्टरॉयड एक किलोमीटर चौड़ा है, जिसे पोस्टेशियली हैजार्डस एस्टेरायड (पीएचए) की श्रेणी में रखा गया है।

ताकि स्किन सॉफ्ट

स्किन नेचर को रखें ध्यान

ऑयली स्किन वालों को मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। अकसर ऐसी स्किन में मॉयश्चर की कमी हो जाती है। मॉयश्चराइजर के स्थान पर क्रीम लगाने से स्किन ज्यादा ऑयली हो जायेगी। फेस पर चिपचिपापन महसूस होगा, जिससे चेहरे पर ज्यादा डस्ट बैठेगी। दाने भी निकल सकते हैं। वहीं जिनकी स्किन में ऑयल की कमी हो उन्हें क्रीम लगानी चाहिए। क्रीम ऑयल की कमी को दूर करती है। ऐसी स्किन वालों को मॉयश्चराइजर से बचना चाहिए।

लगाएं एएचए और कोलेजनयुक्त क्रीम

सर्दियों में रात को फेस वॉश करने के बाद 'एएचए' युक्त आवरनाइट क्रीम या मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। यह स्किन को सॉफ्ट बनाती है और ड्राइनेस खत्म करती है। एएचए युक्त क्रीम या मॉयश्चराइजर को दिन में नहीं लगाना चाहिए क्योंकि दोपहर के वक्त इसे लगाने से सूरज से पिगमेनटेशन होने की आशंका रहती है। सुबह के वक्त कोलेजन युक्त क्रीम और मॉयश्चराइजर लगाएं।

लगाएं सही पोर्शन में क्रीम

क्रीम हमेशा ऊपर और बाहर की तरफ लगानी चाहिए। लोग अकसर खुद को और बच्चों को भी रगड़-रगड़ कर लगाते हैं, जो गलत तरीका है। फेस पर सॉफ्ट हाथों से क्रीम लगानी चाहिए। आखिर यह आपका फेस है, जिसे आपको पूरी लाइफ कैरी करना है।

सर्दियों में लगाएं सनगार्ड

सर्दियों में हम सनगार्ड लगाना छोड़ देते हैं। लेकिन इस मौसम में सबसे ज्यादा टैनिंग होने की संभावना रहती है। क्योंकि इस मौसम में लोग खूब धूप सेकते हैं, जिसकी वजह से स्किन टैन हो जाती है। सुबह के वक्त नहाने के बाद कोलेजन क्रीम लगा लें और बाहन निकलते समय सनबैन।

इस्तेमाल करें क्रीमयुक्त फेस वॉश

इस मौसम में ट्रांसपेरेंट कॉस्मेटिक न यूज करें। क्योंकि इसमें मॉयश्चराइजर और ऑयल बहुत कम होता है। क्रीम बेस्ड फेस वॉश यूज करें। क्लिंजिंग मिल्क जरूर यूज कीजिए और उसके बाद गुनगुने पानी के साथ फेस वॉश से चेहरा धोइए।

ऑयलयुक्त बॉडी वॉश

ऑयल या मॉयश्चरबेस्ड बॉडी वॉश यूज करें। नहाते समय बॉडी ऑयल डालकर नहायें या फिर नहाने से पहले बॉडी ऑयल लगा लें।

नोट: घरेलू इलाज में आप चेहरे पर हनी और हल्दी मिक्स करके लगाएं। इससे स्किन सॉफ्ट हो जाती है। खाने-पीने का ध्यान रखें। ऑयली फूड बढ़ा लीजिए पर अगर आप फैटी हैं तो पहले वाली डाइट पर ही रहिए। ऐसी चीजें लीजिए, जिसमें ऑयल हो पर फैट न हो। जो कोलेस्ट्रोल न बढ़ाता हो।

मूंगदाल हलवा

सामग्री: 100 ग्राम मूंगदाल (2 घंटे तक भिगोकर, फिर छानकर ग्राइंड करके पेस्ट बना लें), 100 मिली. घी, 100 ग्राम शक्कर, 1/4 लीटर दूध, चुटकीभर केसर (हल्के गर्म दूध में भिगोया हुआ), गार्निशिंग के लिए बादाम और पिस्ता के टुकड़े।

विधि: कड़ाही में घी और मूंगदाल का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर गुलाबी भूरा होने तक भूनें। दूध को उबालकर मूंगदाल के मिश्रण में मिलाएं। दूध सूखने पर शक्कर मिलाकर भूनें। जब कड़ाही घी छोड़ने लगे, तब आंच पर से उतार लें। केसर और ड्रायफ्रूट्स से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

मेरी मम्मी सुपर मॉम

कहते हैं, हर प्राणी में भगवान का अंश होता है, लेकिन 'मां' का तो कहना ही क्या ! उसका तो समूचा व्यक्तित्व ही देवी सरीखा होता है। मां का स्वरूप इतना विस्तृत है कि वेद-पुराण भी मां की ममता और करूणा की गाथा कहते नहीं थकते। मां, जो एक बच्चे को जन्म देती है, उसे पाल-पोसकर बड़ा करती है, उसके लिए एक भावनात्मक सहारा होती है। मां की भूमिका को लेकर फिल्म जगत में न जाने कितनी फिल्में बनीं, तो वहीं साहित्य जगत में मां की भूमिका को लेकर बहुत कुछ लिखा गया। दूसरी तरफ मां है, जो एक साथ कई तरह की भूमिकाओं का निर्वहन एक साथ करती है यानी वह ऐसे मदारी की भूमिका में होती है, जिसके हाथ में एक साथ 5-6 गेंदें होती हैं। बड़ी कुशलता से जिनमें से कुछ को वह अपने हाथ में रखती है, तो कुछ को आसमान में उछालती है। कितने अजब ढंग से वह इनके बीच एक संतुलन कायम किए रहती है।

लेकिन, आज की मां का स्वरूप कुछ बदला-बदला सा है। बच्चे, परिवार, करियर और साथ में अपना स्वास्थ्य और इससे भी बढ़ कर न जाने कितनी जिम्मेदारियों का बोझ उठाती है आज की मां। अब यह गुजरे जमाने की बात हो गई है, जब महिला सीमित परिवार के दायरे में रहकर काम करती थी। घर पर रहकर बच्चों की देखभाल करना, शाम को काम से थके-मांदे पति का इंतजार करना, पति की सेवा करना ही उसकी दिनचर्या में शामिल था। आज महानगरों में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी कामकाजी महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये कामकाजी माएं एक साथ कई मोचा पर डटी रहती हैं। एक आर वह ऑफिस में रहकर अपने पुरुष प्रतिद्वंद्वियों के बीच खड़ी अपने काम को बेहतर ढंग से करने का प्रयास करती है। पूरे दिन प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, डेडलाइंस से जूझना और शाम को कॉकटेल में क्या पहनना है, के बीच उसका जीवन गुजरता है। यही सुपर लेडी शाम को जब घर लौटती है, तो पूरे जोशो-खरोश के साथ बच्चों की देखरेख करती है, उनकी जरूरतों का ख्याल रखती है, घर के बजट के बीच संतुलन कायम करती है और बच्चों के होमवर्क की जिम्मेदारी उठाती है। बच्चों के स्कूल में फंक्शन के लिए फैंसी ड्रेस तैयार करना और सास-ससुर को वीकएंड पर डिनर के लिए साथ ले जाना, ये सब उसी की जिम्मेदारी है— ये है आज की सुपर मॉम। न जाने कितनी जिम्मेदारियों के बीच उसे संतुलन कायम करना होता है। नतीजा यह होता है कि एक उम्र के बाद स्ट्रेस में लगातार रहने के कारण उसे स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों से जूझना पड़ता है। यह तो तय है कि कामकाजी महिला को गैर-कामकाजी महिला की तुलना में कहीं ज्यादा जिम्मेदारियां उठानी पड़ती है। यदि आप भी ऐसी ही कामकाजी महिला हैं, तो अपने जीवन को किस तरह अच्छे ढंग से चलाएं, जिससे आगे चलकर स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की समस्याओं से न जूझना पड़े। यह जानना आपके लिए बेहद जरूरी है।

क्या आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो अपने काम को बेहतर ढंग से अंजाम देने के लिए अपना एक तयशुदा शेड्यूल बनाती हैं और उस पर किसी भी स्थिति में डटे रहने की कोशिश करती हैं? काम के समय पर पूरा न हो पाने की चिंता में ऐसी महिलाएं तनावग्रस्त हो जाती हैं, लेकिन इसके भी काफी फायदे हैं। अपने रोज के कामों को बेहतर ढंग से करने के लिए खुद का भी ध्यान रखना जरूरी है। अधिकतर वकग मॉम मैनेजर्स अपने रूटीन का एक बिजनेस कैलेंडर बना लेती हैं, जिसमें मीटिंग्स और डेडलाइंस को पहली प्राथमिकता देती हैं। वह यह भूल जाती हैं कि करियर वूमन के साथ वह एक हाउसवाइफ भी हैं। वह इस कैलेंडर में अपने निजी जीवन के लिए कम समय निकाल पाती हैं। रिश्तेदारों के जन्मदिन, बच्चों के वैक्सीनेशन को कम प्राथमिकता दी जाती है। ऐसा करने की बजाय अपने फैमिली कैलेंडर और ऑफिस प्लानर को एक-दूसरे से अलग रखना चाहिए।

करियर वूमन को अलग-अलग भूमिकाएं निभाने में लंबी जद्दोजहद करनी पड़ती है। कई तरह के कामों को करने के बाद अक्सर एक उम्र तक पहुंचते-पहुंचते याद्दाश्त कम हो जाती है। यह भी देखा गया है कि बेहद अनुशासित रहने वाली मॉम भी याद्दाश्त के मामले में धोखा खा जाती है, जिसकी वजह से उनके काम गड़बड़ा जाते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए जहां-जहां आपकी नजर ज्यादा रहती है, वहां उन कामों को याद रखने के लिए स्लिप चिपकाएं। इसके लिए डैशबोर्ड, कार या बाथरूम के शीशे भी बेहतर जगह हो सकते हैं, जहां आप किए जाने वाले कामों को चिन्हित करके रखें। यदि कोई महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट कहीं लेकर जाना है तो उसे अपने ब्रीफकेस में पहले से ही रखें। यदि आपको अपनी याद्दाश्त पर बहुत कम भरोसा है, तो बच्चों से कहें कि वह किसी विशेष काम को या किसी विशेष चीज को विशेष समय पर याद दिलाएं।

क्यों रूक जाते हैं कदम

किसी भी दफ्तर के मैनेजर केबिन में झांक कर देखें तो आधी दुनिया की संख्या कम ही नजर आती है। आखिर क्या ऐसा कारण है कि पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने वाली महिलाएं ऊंचे पद पर आसीन नहीं हो पातीं। इस प्रश्न को हमने कुछ महिलाओं से जानने का प्रयास किया-

प्रियंका श्रीवास्तव (ब्यूटिशियन) - हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं लेकिन उच्च पदों पर आसीन इसलिए नहीं हो पाती क्योंकि शादी के बाद उनके ऊपर इतनी जिम्मेदारियां बढ़ जाती है कि बढ़ते कदम रुक जाते हैं उनके टेलेन्ट को जंग लग जाती है। ऊंचे पद पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत, लगन तथा डेडीकेशन की आवश्यकता होती है। इनके लिए समय की आवश्यकता होती है, जो महिलाएं शादी के बाद नहीं दे पातीं और ऑफिस में सिर्फ साधारण कर्मचारी रह जाती है।

तनु सिंह (समाज सेविका)- पुरुष वर्ग को यह बात रास नहीं आती कि महिलाएं हमारे समकक्ष अथवा हमसे ऊचे पद पर आसीन हों। इस कारण उनकी राहों में तरह तरह की दिक्कतें पैदा करते हैं। क्योंकि पुरुष महिलाओं को हमेशा नीचे ही देखना चाहता है। जब महिलाओं के सामने इस तरह की दिक्कतें आती हैं तो वे भावुक होकर अपने जोश के साथ बढ़ते कदमों को पीछे ले लेती हैं।

कविता द्विवेदी (वर्किंग वुमेन)- मुझे नहीं लगता कि आज के समय में स्त्रियों के बढ़ते कदम रुक जाते हैं। महिलाएं पुरुषों से आगे निकल चुकी हैं, उनके बढ़ते कदमों को कोई रोक नहीं सकता। स्त्री ही शादी के बाद अथवा अन्य जिम्मेदारी आने पर अपने कदमों को रोक देती है। लेकिन अगर वे चाहें तो आगे बढ़ सकती हैं। शादी के पहले उसे यह बात कर लेनी चाहिए कि मैं अपने करियर से कोई समझौता नहीं करूंगी। मौका मिला तो आगे भी जाऊंगी। इस तरह परिवार और करियर दोनों को समय दे सकती हैं।

विभा पाण्डेय (गृहणी)- कहना बहुत ही आसान है कि करियर से मैं समझौता नहीं करूंगी, अपने करियर में कुछ करके दिखाऊंगी पर जब घर परिवार की सच्चाई और पति, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां आती हैं तो अपने आप जिन्दगी से समझौता कर लेते हैं। एक और बात यह भी है कि अगर पति तथा परिवार का सपोर्ट मिले तो महिलाएं भी उच्च पद आसीन हो कर अपनी पहचान बना सकती हैं। यह सपोर्ट महिलाओं को प्यार से मिल सकता है, न कि झगड़ा करके।

जानवी शुक्ला (अध्यापिका)- महिलाएं चाहें तो वे कुछ भी कर सकती हैं। उच्च पदों पर आसीन भी हो सकती हैं और अपनी ख्याति पूरे देश में फैला सकती हैं। लेकिन महिलाओं का सबसे बड़ा दुश्मन है, उनका इमोशनल होना। जैसे ही उनके पति बच्चों की देखभाल तथा पढ़ाई लिखाई की बात आती है, वैसे ही वे अपने करियर को बलिदान कर देती हैं लेकिन पुरुष नौकरी तथा आगे बढ़ने के क्रम को नहीं छोड़ता। महिलाएं जिन्दगी में बलिदान देती रहती हैं, यही कारण है कि आगे नहीं बढ़ पातीं।

मानसिक अवरोध राकते हैं महिलाओं को एक्सरसाइज से

आपका वजन सामान्य से अधिक है और व्यायाम से बचने के लिए आप हमेशा कोई बहाना खोजती हैं, तो इसमें आपका कोई दोष नहीं। क्योंकि यह अवरोध मानसिक है, जो आपके प्रयासों को बाधित कर रहा है।

एक अंतरराष्ट्रीय दल ने अध्ययन किया और पता लगाया कि अधिक वजनी महिलाओं को अकसर 'व्यायाम से डर' होता है और उन्हें सक्रिय रहने से रोकता है, क्योंकि ऐसा करते समय महिलाएं अधिक सचेत हो जाती हैं और चोटिल होने के डर से चिंतित रहती हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार, ये मानसिक बाधाएं ही वास्तविक समस्या हैं जिन्हें दूर कर मोटी महिलाओं को व्यायाम के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। टेंपल विश्वविद्यालय की प्रमुख शोधकर्ता मेलिसा नापोलितानो ने कहा, 'पहली बार हम यह जान सके हैं कि क्या चीज है, जो महिलाओं को जरूरी गतिविधियों में शामिल होने से रोकती है। कुछ लोगों के लिए यह बहानों के समान हो सकती है, लेकिन ये वास्तविक समस्या है।'

उन्होंने कहा, 'वजन कम करने के बारे में आम धारणा है कि कम खाने और अधिक व्यायाम करने से यह आसान हो जाता है, लेकिन वजन घटाना आसान होता, तो मोटापा आज की तरह घातक नहीं होता।' शोधकर्ताओं ने 47 वर्ष की औसत आयु वाली 278 महिलाओं पर अध्ययन करने के बाद यह तथ्य उजागर किया।

'द डेली टेलीग्राफ' की खबर के अनुसार इस अध्ययन में सामान्य वजन और सामान्य से अधिक वजन वाली महिलाओं को शामिल किया गया। इन महिलाओं से पूछा गया कि व्यायाम करने से उन्हें क्या चीज रोकती है। तीन महीने के बाद मोटी महिलाओं ने व्यायाम न करने के लिए सामान्य वजन वाली महिलाओं की अपेक्षा ज्यादा कारण बताए।

ऐसे पाएं कब्ज से राहत

बदलती जीवन शैली और खानपान की आदतों में व्यक्ति परिष्कृत भोजन का अधिक सेवन कर रहा है जिसमें रेशे की मात्रा का अभाव होता है। सब्जियां, फल, साबुत अनाज आदि का व्यक्ति को अधिक सेवन करना चाहिए क्योंकि ये रेशे का उत्तम स्रोत हैं। हमारे सम्पूर्ण शरीर के स्वास्थ्य के लिए व्यायाम बहुत आवश्यक है।

व्यायाम व शारीरिक श्रम के अभाव में भी कब्ज की शिकायत हो सकती है। आंतों की सही कार्यप्रणाली के लिए पानी बहुत आवश्यक है। पानी की कमी से भी कब्ज हो सकता है। कई प्रकार की दवाएं भी कब्ज कर सकती हैं। कुछ दवाएं उन स्नायुओं को प्रभावित करती हैं जो आंतों की कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते हैं। इन दवाओं के कारण भी आंतें कमजोर हो जाती हैं। कब्ज के रोग से कुछ बातों को ध्यान में रखकर बचा जा सकता है:-

- आवश्यकता से अधिक खाना और आवश्यकता से कम खाना, दोनों से ही कब्ज बनते हैं।
- भोजन को सही ढंग से चबाएं और टी.वी. देखते समय व पढ़ते समय भोजन न करें।
- आलू और भिंडी का सेवन कम करें।
- मैदे का सेवन भी कम करें क्योंकि अत्यधिक परिष्कृत होने के कारण इसमें रेशा नहीं के बराबर होता है और यह कब्ज का कारण बनता है।
- दिन में 10-12 गिलास पानी अवश्य पिएं। सुबह खाली पेट एक गिलास पानी पी लेने से भी कब्ज की शिकायत नहीं रहती।
- अल्कोहल का अधिक सेवन भी पाचन को प्रभावित करता है इसलिए अल्कोहल का सेवन कम से कम करें।
- तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला आदि का सेवन न करें।
- अधिक मात्रा में चाय और कॉफी का सेवन भी न करें। खाली पेट चाय बिल्कुल न लें। बेड-टी आपके लिए हानिकारक हो सकती है।
- मीट, मछली, मुर्गा, अंडे का सेवन भी कब्ज कर सकता है।

हेल्थ प्लस

डिप्रेशन का एक दौर आपके लिए शुभ भी हो सकता है

डिप्रेशन का एक दौर आपके लिए शुभ भी हो सकता है, एक प्रमुख मनोचिकित्सक ने यह दावा किया है। लंदन के एक मनोचिकित्सा संस्थान के विशेषज्ञ डॉ. पॉल कीडवेल कहते हैं कि डिप्रेशन से गुजर रहे व्यक्ति के लिए कठिनाइयां पैदा होंगी, उसे बहुत नाजुक दौर से गुजरना पड़ेगा किन्तु इस दौर से गुजरने के बाद वह एक अधिक दृढ़ व कठिनाइयों से जल्द उबरने की क्षमता से युक्त व्यक्ति के रूप में जाना जाएगा। उनका यह भी मानना है कि इससे व्यक्ति में सृजनात्मकता का भी सृजन हो सकता है।

गौरतलब है कि डिप्रेशन के प्रति डॉक्टरों व दवा कंपनियों के रूखों पर सवालिया निशान लगता रहा है कि ये रोगियों को डिप्रेशन का शिकार बताने में जल्दबाजी दिखाते हैं तथा फिर इसका प्राय: हानिकारक दवाओं के साथ महंगा इलाज करते हैं। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि तकरीबन 25 प्रतिशत लोग अपने जीवन में कभी न कभी डिप्रेशन का शिकार होते हैं। ब्रिटेन में पिछले वर्ष करीब सवा तीन करोड़ लोगों को डिप्रेशन का शिकार के रूप में डायग्नोस किया गया। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि ब्रिटेन को प्रतिवर्ष करीब 17 अरब पौंड का नुकसान डिप्रेशन के कारण होने वाले मानव दिवसों की हानि व उत्पादकता में होने वाले कमी के कारण उठानी पड़ती है।

डॉ. पॉल कीडवेल ने यह भी बताया कि मानव का इस मन:स्थिति के साथ हजारों वर्षों पुराना नाता है और संभव है इसने मानव के इवोल्यूशन (उद्विकास) में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो। लोग इसे एक डिफेक्ट के रूप में देखते हैं जबकि मैं इसे डिफेन्स मेकानिज्म के रूप में देखता हूं। नीदरलैंड में हाल में हुए एक शोध में भी यह निष्कर्ष सामने आया कि उनलोगों ने सामान्य लोगों की तुलना में अपनी समस्याओं के साथ बेहतर ढंग से निपटा जो डिप्रेशन के दौर से उबर चुके थे। हालांकि सभी के साथ ऐसा नहीं हुआ। डिप्रेशन के शिकार कुछ लोगों की स्थिति और भी खराब हो गई, खासकर ऐसे लोगों की जो एकाकी रहे या फिर शराब या ड्रग्स की लत के शिकार हो गए।

मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करती थायरॉयड ग्लैंड

थायरॉयड हॉरमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करता है। थायरॉयड कम होने से ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है। ठंड के प्रति सहनशीलता कम हो जाती है तथा वजन बढ़ने लगता है। यह हॉरमोन हृदय की धड़कन को नियंत्रित करते हैं। शरीर का तापमान, मांसपेशियों की गतिविधि तथा कैलोरीज को जलाने में सहायक होते हैं। लेकिन यदि ये हॉरमोंस ठीक से जलाने में सहायक होते हैं। लेकिन यदि ये हॉरमोंस ठीक से स्रावित न हों तो अनेक प्रकार की समस्या हो सकती हैं। ये समस्याएं हारमोंस के कम स्राव (हाइपोथायधरायजिज्म) अथवा हॉरमोंस के अतिसक्रिय हाइपर थायरायजिज्म के कारण होती हैं।

थायरॉड ग्लैंड-तितली के आकार की यह ग्रंथि हमारी गर्दन में 'टेटुएं' के इधर-उधर स्थिति होती है। एक आउंस से भी कम वजन वाली यह ग्रंथि अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इससे होने वाले स्राव का प्रभाव आश्चर्यजनक होता है। लेकिन कम सक्रिय होने पर कम स्रावित होता है। कम सक्रिय होने पर कम हारमोन स्रावित करती हैं, जिससे मेटाबालिज्म धीमे हो जाता है लेकिन अतिसक्रिय होने पर भी यह नकारात्मक असर दिखता है।

लक्षण- हाइपोथायरॉयजिज्म के मामले में लक्षण बहुत ही सामान्य तथा बढ़ती उम्र में जुड़े होते हैं। इसी कारण अकसर शुरूआती दौर में इन्हें पकड़ना मुश्किल होता है। हर समय थकावट, सुस्ती, आलस महसूस होता है। हृदय की धड़कन व धीमी हो जाती है। मांसपेशियों में अकड़न तथा दर्द होने लगता है। त्वचा रूखी तथा बाल झड़ने की शिकायत भी आमतौर पर पाई जाती है। कई बार पेट भी साफ नहीं होता तथा कब्ज की शिकायत होने लगती है। पैरों और मुंह पर सूजन आ सकती है।

- महिलाओं में इस हॉरमोन की कमी से अनियंत्रित मासिक धर्म होने लगता है तथा कई बार गर्भ भी नहीं ठहरता।
- यदि गर्भावस्था के समय कमी हो तो बच्चे की ग्रोथ पर भी असर पड़ता है। जन्म के समय बच्चा अविकसित शरीर और दिमाग वाला हो सकता है।
- बुजुगा में अकसर डिप्रेशन की शिकायत हो सकती है।
- आवाज में भी भारीपन आ जाता है।
- यौनेच्छा की कमी भी हाइपोथायरॉयड का लक्षण हो सकता है।
- कई बार स्थिति बिगड़ने पर दिल के चारों तरफ पानी भर जाता है तथा दिल सही ढंग से काम नहीं करता है।

कारण- यह बीमारी आयोडीन की कमी से होती है। कई बार यह इम्यून सिस्टम की प्रक्रिया द्वारा भी होती है।

आयोडीन के स्रोत- आयोडीनयुक्त नमक समुद्री भोज्य पदार्थ, आयोडीनयुक्त नमक और पानी में उत्पा होने वाली सब्जियां इसका अच्छा स्रोत हैं। आयोडीनयुक्त नमक तो जरूर प्रयोग करना चाहिए।

जांच- यदि बीमारी के लक्षण काफी हद तक मौजूद हो तो डॉक्टर से सलाह करके सामान्य जांच टी एस.एच करवा लेनी चाहिए। इससे हॉरमौंस की गड़बड़ी का पता चलने पर अन्य जरूरी जांच कराई जाती है। इससे मरीज को मॉनिटर भी किया जाता है।

इलाज- बीमारी का असर कष्ठकारी होता है लेकिन इसका इलाज एकदम साधारण है। टीएसएच के स्तर के अनुसार मरीज की दवा की डोज निश्चित की जाती है। मरीज को नियमित समयान्तराल पर चेकअप कराना जरूरी होता है। उसी से दवा कम या ज्यादा की जाती है।

मधुमेह को नियंत्रित कैसे करें

उपलब्ध कार्बोहाईड्रेट पदार्थ में एक ही मात्रा का सेवन करने से विभिन्न श्रेणियों का मधुमेह पर प्रभाव पड़ता है। यह पदार्थ के गलाईस्मिक इन्डैक्स पर निर्भर करता है। उदाहरणत: 100 ग्राम आलू का सेवन या 100 ग्राम सब्जी (हरी) का सेवन हमारे 'ब्लड शुगर' को अलग-अलग ढंग से प्रभावित करता है।

अत: कम गलाईस्मिक इन्डैक्स के पदार्थ की जानकारी रोगों के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जाती है। इस श्रेणी में ऐसे पदार्थ आते हैं जो भरपेट और कम कैलोरी प्रदान करते हैं, जिनमें हरी सब्जियां, संतरा और मौसमी फल माने जाते हैं। ऐसे पदार्थ शरीर के वजन को भी कम करने में सहायक होते हैं।

पदार्थ का गलाईस्मिक इन्डैक्स उस के बनाने पर भी निर्भर करता है। हमारे देश में एक ही पदार्थ को बनाने की विभिन्न विधियां प्रचलिच हैं जैसे कोई उबाल कर, कोई भून कर तथा कोई तल कर सेवन करता है। एक मधुमेह के रोगी को भी यह ज्ञान होना चाहिए कि उसे पदार्थ का सेवन कैसे करना है? यह विधि ऐसी होनी चाहिए कि कम से कम तेल या घी उस विधि में प्रयोग हो और पदार्थ स्वादिष्ट भी बने।

यदि मधुमेह का रोगी अपने भोजन में (लो गलाईस्मिक इन्डैक्स) के सिद्धांत को अपनाता है तो उसे निश्चित रूप से लाभ प्राप्त होगा। जैसे :-

अंकुरित अनाज व दालें, सलाद में सब्जियां जैसे खीरा, ककड़ी और बिना छिलका उतारे फल जैसे सेब इत्यादि।

अत: रोगी यदि उपरोक्त सिद्धांतों को अपनाता है तो उसे मधुमेह नियंत्रण में निश्चय ही लाभ प्राप्त होगा।

मिलर को पसंद है धवन के खेलने का तरीका

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर ने टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना पसंदीदा खिलाड़ी बताया है। मिलर ने कहा कि धवन बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं। मिलर आईपीएल के 13 वें सत्र के लिए आईपीएल रायल्स टीम में शामिल हैं। मिलर ने धवन की आक्रामक बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा, ऐसे कई क्रिकेटर हैं जिनकी मैं प्रशंसा करता हूं। मेरे रोल मॉडल मैथ्यू हेडन और एडम गिलक्रिस्ट थे। वे दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज थे और हमेशा आक्रामक और सकारात्मक मार्ग अपनाते थे पर मुझे आईपीएल में सबसे अच्छी बल्लेबाजी धवन की लगती है। मिलर ने कहा कि मुझे धवन के खेलने का तरीका अच्छा लगता है।। मैंने उसे एक व्यक्ति के रूप में भी जाना है। वह अपने खेल के बारे में अपने रुख को लेकर बहुत निश्चिंत है और पेशेवर है। क्रिकेट और कभी-कभी चीजें अलग-अलग हो जाती हैं पर जिस प्रकार वह बल्लेबाजी के लिए आते हैं उसकी तारीफ करनी ही पड़ेगी। मिलर ने कहा कि उन्होंने खेल के प्रति अपनी मानसिकता को समझने के लिए स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स से भी सहयोग लिया है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने पहले मैच की बात करते हुए इस बल्लेबाज ने किहा कि टीम के माहौल में तालमेल बिठाना उनके लिए कठिन नहीं होगा क्योंकि वह पहले से ही कई खिलाडियों को जानते हैं।

हर दिन अपना सौ फीसदी देने का प्रयास करता हूं : इशांत

दुबई। अर्जुन पुरस्कार मिलने से उत्साहित टीम इंडिया के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा कि जब तक वह फिट रहेंगे और शरीर साथ देता रहेगा खेलते रहेंगे। इशांत ने इस पुरस्कार को अपनी 13 साल की मेहनत का परिणाम बताया है। इशांत ने साल 2007 में टेस्ट और एकदिवसीय में पदार्पण किया था और इसके एक साल बाद ही अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। इशांत ने अपने एक बयान में कहा, ''मुझे बहुत कम उम्र में क्रिकेट के प्रति अपने लगाव का एहसास हुआ और तभी से मैं हर दिन अपना सौ फीसदी देने का प्रयास कर रहा हूं।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा, '' जब तक मेरा शरीर साथ देगा, तब तक मैं खेलता रहूंगा, और अगर भगवान की कृपा रही तो उसके बाद भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

पोलार्ड की आतिशी बल्लेबाजी से त्रिनबागो नाइट राइडर्स जीती

नई दिल्ली। आक्रामक बल्लेबाज कायरन पोलार्ड की शानदार पारी से कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने जीत दर्ज की है। इस मैच में त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) के कप्तान पोलार्ड ने बारबाडोस ट्रिडेंट्स (बीटी) के खिलाफ 28 गेंदों में ही 72 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस मैच में 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइट राइडर्स ने पोलार्ड के अर्धशतक के अलावा जॉनसन चार्ल्स के 47 और कायल मेयर्स के 42 रनों की सहायता से मुकाबला अपने नाम किया। इस मैच में पोलार्ड जब बल्लेबाज के लिए उतरे तब नाइटराइडर्स की आधी टीम पेवेलियन लौट गयी थी और उसे जीत के लिए केवल 44 गेंदों में 87 रन बनाने थे। इसके बाद पोलार्ड ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। उन्होंने 28 गेंदों की अपनी पारी में 9 छक्के और 2 चौक लगाये। अंतिम 2 ओवर में टीकेआर को 31 रन की जरुरत थी, पोलार्ड ने अंतिम ओवरों में बारबाडोज के कप्तान जेसन होल्डर के ओवर में लगातार दो छक्के लगाये। पोलर्ड के आउट होने के बाद कैरी पियरे और जेयडन सीन की जोड़ी ने टीम को जीत दिलाई।

आर्सेनल ने कम्यूनिटी शील्ड मैच जीता

लंदन। आर्सेनल ने पेनल्टी शूटआउट में लीवरपूल को 5-4 से हराकर कम्यूनिटी शील्ड फुटबॉल मैच जीता है। कोरोना महामारी को देखते हुए खाली स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में पियरे एमरिक के शानदार प्रदर्शन से आर्सेलन को यह जीत मिली। एमरिक ने मैच के 12वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को एक गोल से बढ़त दिला दी। वहीं लीवरपूल की ओर से तकुमि मिनामिनो ने 73वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद तय समय तक परिणाण नहीं निकलने पर मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ। इसमें एमरिक ने निर्णायक गोल कर अपनी टीम को 5-4 से जीत दिला दी। कम्यूनिटी शील्ड मैच को प्रीमियर लीग के विजेता और एफए कप के विजेता के बीच नये सत्र के शुरू होने से पहले खेला जाता है। प्रीमियर लीग फुटबॉल का नया सत्र अगले माह 12 सितंबर से शुरू होगा।

मलिंगा के नाम दर्ज हैं ऐसे चार रिकार्ड, जिन्हें तोड़ना किसी भी गेंदबाज के लिए आसान नहीं

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा आज 28 अगस्त को अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने अपनी टीम के लिए कई मैच जितवाए और मौजूदा समय में भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। जब उन्होंने क्रिकेट मैदान में कदम रखा था तो उस समय उनकी तेज बाउंस और स्विंग के आगे बड़े-बड़े दिग्गज घुटने टेकते नजर आते थे। आज हम इस खास दिन पर मलिंगा के ऐसे 4 रिकार्डों के बारे में बताएंगे जिन्हें तोड़ना किसी भी गेंदबाज के लिए आसान नहीं होगा। मलिंगा इकलौते ऐसे गेंदबाज हैं, जिन्होंने 4 गेंदों में लगातार 4 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने साल 2007 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। एक समय में अफ्रीका जीत के करीब थी और स्कोर 45 ।4 ओवर में 206/5 था। लेकिन अगली 2 गेंदों में 2 विकेट हासिल कर मलिंगा ने टीम की वापसी करवाई। जब वह 47वें ओवर में फिर से गेंदबाजी करने आए तो उन्होंने शुरुआती दो गेंदों में और दो विकेट निकाल लिए। इस तरह उन्होंने लगातार 4 गेंदों में 4 विकेट ले डाले। मलिंगा वनडे क्रिकेट में 3 बार हैट्रिक पूरी

करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। उन्होंने सबसे पहले साल 2007 के विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे करियर की पहली हैट्रिक पूरी की थी। इसके बाद मलिंगा ने दूसरी विश्व कप 2011 में केन्या और तीसरी हैट्रिक 2012 में कोलंबों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी की थी। खास बात यह है कि तीन हैट्रिक में से 2 हैट्रिक मलिंगा ने वर्ल्ड कप में लिए थे। मौजूदा समय मलिंगा आईपीएल में अबतक सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज हैं। आईपीएल के 8 सीजन खेल चुके मलिंगा ने 110 मैचों में 154 विकेट हासिल किए हैं। उनके आस-पास तक कोई भी गेंदबाज उनके इस रिकार्ड को छूता नजर नहीं आता। हालांकि भारतीय स्पिन गेंदबाज अमित मिश्रा 136 मैच खेलकर 146 विकेट हासिल कर चुके हैं, अगर उन्हें आगे मौके मिलते रहेंगे तभी वह मलिंगा को पीछे छोड़ पाएंगे।

फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना अंतिम लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के डिफेंडर संदेश झिंगन ने कहा कि टीम का अंतिम लक्ष्य आगामी फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना है। संदेश ने मान कि यह लक्ष्य आसान नहीं है, इसलिए टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को नियमित रूप से एएफसी एशियाई कप में भाग लेने के साथ ही फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 से शीर्ष 50 में पहुंचना होगा। झिंगन ने कहा कि हमारा अंतिम लक्ष्य

विश्व कप के लिये क्वालीफाई करना है पर इसके लिए कुछ कदम हमें उठाने होंगे जैसे नियमित रूप से एएफसी एशियाई कप में खेलना, शीर्ष 100 में पहुंचना, फिर शीर्ष 50 में पहुंचना। इसके साथ ही घरेलू और विदेशी मैदानों पर बेहतर खेल के साथ टूर्नामेंट जीतने होंगे। उन्होंने कहा, शारीरिक और मानसिक रूप से आपको संतुलन बनाए रखना होगा। बतौर खिलाड़ी हमें जीत के लिये आक्रामक होकर खेलना होगा।

ओली चार महीने के लिए खेल से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज ओली पोप बायें कंधे के चोटिल होने के कारण अगले चार महीने के लिए खेल से दूर हो गये हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट में क्षेत्ररक्षण के दौरान ओली के बायें कंधे में चोट लग गयी थी। जो जांच के दौरान गंभीर पायी गयी। इसी कारण अब उन्हें सर्जरी करानी होगी। जिसके कारण अब वह चार महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। ओली ने अंतिम टेस्ट में एक शॉट को रोकने के लिए छलांग लगाय और तभी उनका कंधा अपनी जगह से खिसक गया। इस कारण उन्हें तभी मैदान छोड़कर जान पड़ा अब अगले कुछ सप्ताह में उनकी सर्जरी होगी।

मैनचेस्टर में महिला फुटबॉल मैच में खेलती हुई मिली ब्राइट व अन्य खिलाड़ी।

पोको बहुत जल्द नया मिड-रेंज स्मार्टफोन मार्केट में लाने की तैयारी में

नई दिल्ली। पोको बहुत जल्द नया मिड-रेंज स्मार्टफोन मार्केट में लाने जा रहा है। हाल ही के लीक रिपोर्ट में कहा गया था कि फोन का नाम पोको एक्स3 हो सकता है।अब सामने आया है कि कंपनी पोको एक्स3 से 8 सितंबर को पर्दा उठा सकती है।रिपोर्ट की मानें पोको एक्स3 में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 732 प्रोसेसर दिया जा सकता है। पोको एक्स2 की तरह ही इस डिवाइस में 6.67 इंच का डिस्प्ले मिलेगा, जो 120एचजेड रिफ्रेश रेट सपॉर्ट करेगा और इसमें 240एचजेड की टच लेटेंसी मिलेगी। पोको एक्स3 में कंपनी 5,160एमएएच की बैटरी देगी,जो 33वॉट फास्ट चार्जिंग सपॉर्ट के साथ आ सकती है।फोन में 64 मेगापिक्सल क्वॉड कैमरा सेटअप मिलेगा। डिवाइस में 20 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिल सकता है। कुछ दिन पहले लीक्स में फोन का बैक डिजाइन दिखा था। वर्टिकल पोको ब्रैंडिंग के अलावा इसमें स्यूडो-सर्कुलर कैमरा मॉड्यूल देखने को मिला था।64 मेगापिक्सल सोनी आईएमएक्स 686 सेंसर के साथ पोको एक्स2 भी बेहतरीन कैमरा आउटपुट देता है। इसके अलावा एक बड़ा अपग्रेड 120एचजेडएमलोयड डिस्प्ले के तौर पर मिल सकता है।

7000 एमएएच बैटरी के साथ सितंबर में लांच हो सकता हैं, सैमसंग गैलेक्सी एम51

नई दिल्ली। स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग जल्द ही एम-सीरीज में नया फोन शामिल कर सकती है। नए सैमसंग गैलेक्सी एम51 से जुड़े लीक और डीटेल्स पिछले काफी वक्त से सामने आ रहे हैं। फोन पावरफुल स्पेसिफिकेशंस के साथ आ सकता है। 7000एमएएच बैटरी के साथ आने वाले फोन को ऐमजॉन इंडिया पर ऑफिशली टीज किया गया है। फोन को सितंबर की शुरुआत में लांच किया जा सकता है। शॉपिंग प्लैटफॉर्म पर दिख रही माइक्रोसाइट से साफ हो गया है कि गैलेक्सी एम51 जल्द मार्केट में होगा। फोन में फ्रंट साइट पर इनफिनिटी-ओ डिस्प्ले सेंटर में पंच-होल डिजाइन के साथ मिलेगा। सैमसंग गैलेक्सी एम51 की लांच डेट अभी सामने नहीं आई है लेकिन इसे अगले महीने मार्केट में उतारा दा सकता है।

एक्सएल 6 एमपीवी की 25 हजार से ज्यादा की बिक्री

नई दिल्ली। कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी ने दावा किया है कि उसकी एक्सएल6 एमपीवी (मल्टी पर्पज वीकल) की एक साल में 25 हजार से ज्यादा गाड़ियां बिकी हैं। इतना ही नहीं, एक्सएल6 ने कंपनी को एमपीवी मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद की है। कंपनी के मुताबिक, एक्सएल6 और अर्टिगा के साथ मल्टी पर्पज वीकल सेगमेंट में कंपनी का मार्केट शेयर 51 फीसदी पहुंच गया है।मारुति सुजुकी एक्सएल6 को नेक्सा रिटेल आउटलेट नेटवर्क के जरिए बेचती है। एक्सएल6, मारुति सुजुकी की प्रीमियम एमपीवी है, जो कि अर्टिगा पर बेस्ड है और यह 6 सीटर मॉडल के रूप में आती है। कंपनी का कहना है कि एक्सएल6 ने अपने लॉन्च के बाद से इंडियन प्रीमियम एमपीवी सेगमेंट में करीब 14

फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। मौजूदा समय में मारुति एक्सएल6 एमपीवी झेटा और अल्फा इन दो ट्रिम्स में आती है और इसके 4 वेरियंट्स हैं। मारुति झेटा और अल्फा ऑटोमैटिक वेरियंट्स की कीमत क्रमश: 10.94 लाख रुपये और 11.51 लाख रुपये है। जबकि झेटा मैन्युअल की कीमत 9.84 लाख रुपये है। वहीं, अल्फा मैन्युअल की कीमत 11.51 लाख रुपये है। ये सारे दिल्ली में एक्स-शोरूम प्राइस हैं। इस 6 सीटर मल्टी पर्पज वीकल में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है। यह मोटर बीएस6 एमिशन स्टैंडर्ड को पूरा करता है और 105 बीएचपी का पावर, 138 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। एमपीवी मॉडल लाइन-अप 5 स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स या 4 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आती है।अगर फीचर्स की बात करें तो मारुति एक्सएल6 के जेटा और अल्फा ट्रिम्स में 7.0 इंच का टचस्क्रीन स्मार्टप्ले स्टूडियो इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो कि ऐपल कार प्ले और ऐंड्रॉयड ऑटो को सपॉर्ट करता है। अगर स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें ड्यूल फ्रंट एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, सीट बेल्ट रिमाइंडर्स, स्पीड वॉर्निंग सिस्टम दिया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने 31 करोड़ से अधिक रूपए लागत की सड़कों का किया भूमिपूजन

सड़कों के निर्माण से आवागमन की सुविधा बढ़ेगी : इमरती देवी

ग्वालियर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने डबरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 31 करोड़ से अधिक की लागत की सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कार्यक्रमों की अध्यक्षता सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की। कार्यक्रम में भाजपा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा भी उपस्थित थे। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने मुख्य अतिथि के रूप में सड़कों के भूमिपूजन कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि इन सड़कों का निर्माण हो जाने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने निर्माण एजेन्सी को निर्देश दिए कि जिन सड़कों का भूमिपूजन किया गया है, उनका निर्माण कार्य तत्काल शुरू करें, जिससे क्षेत्र के लोगों को सड़कों की सुविधा का लाभ शीघ्र मिल सके। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने निर्माण एजेन्सियों को निर्देश दिए कि सड़कों का निर्माण कार्य मापदण्डों के अनुरूप पूरी गुणवत्ता के साथ हो। इसका ध्यान रखें। उन्होंने ग्रामीणों से भी कहा कि उनके क्षेत्र में बनने वाली सड़क के कार्य पर निगरानी रखें। श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि डबरा विधानसभा क्षेत्र का चहुँमुखी विकास हो, इसके लिये वह हमेशा प्रयासरत रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व पिछोर क्षेत्र के ग्राम भगेह में एक करोड़ 23 लाख की लागत के ग्रामीण स्टेडियम खेल परिसर का भूमिपूजन किया गया। इसके पूर्ण होने पर क्षेत्र की ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा। महिला

एवं बाल विकास मंत्री ने विभिन्न स्थानों पर सड़कों के निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास एवं उन्नति में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि डबरा विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों की लागत की 5 सड़कों का निर्माण कार्य का आज भूमिपूजन किया गया है। जिसमें उदलपाड़ा में 4 करोड़ रूपए की लागत की 8 किलोमीटर सड़क निर्माण और किरोल में 2 करोड़ 55 लाख की लागत की हथनोरा से किरोल 3 किलोमीटर सड़क मार्ग का भूमिपूजन किया गया। ग्राम शुक्लहारी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 13 करोड़ 75 लाख की लागत की 19.6 किलोमीटर लम्बाई की डबरा–सिंहपुर मार्ग से गिजौर्रा देवगढ़ मार्ग व्हाया शुक्लहारी किटोरा सड़क मार्ग का और ग्राम बिजकपुर में 10 करोड़ 61 लाख की लागत से 15 किलोमीटर लम्बाई की डबरा ङ्क भितरवार से पवाया, बिजकपुर, धूमेश्वर रोड़ और ग्राम जतरथी में सड़क का भूमिपूजन किया गया। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज जिन क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है, निश्चित ही इनके पूर्ण होने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। जहां आवागमन के साधन बढ़ेंगे, वहीं रोजगार के भी अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 19 सड़कों के कार्य भी शीघ्र शुरू होंगे। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिह तोमर के प्रयासों से प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में 3 हजार करोड़ की लागत से एक हजार किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने संबल जैसी योजनायें बंद कर दी थी। उन योजनाओं को शिवराज सरकार ने पुनर्शुरू कर दिया है। भाजपा ग्रामीण के जिला अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा ने अपने उदबोधन में कहा कि सड़कों के निर्माण होने से अंचल का तेजी के साथ विकास होगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री अपने क्षेत्र के विकास के लिये हर संभव प्रयास कर रही हैं। इसी का परिणाम है कि आज अनेकों सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया जा रहा है। कर्क्रिमों में अनुविभागीय दण्डाधिकारी डबरा श्री राघवेन्द्र पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष श्री हिमांशु परसेड़िया, व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र गुप्ता, श्री शैलेन्द्र जाट सहित जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

सीआरपीएफ - खेलो इंडिया का हुआ आयोजन

ग्वालियर। भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जिनको पूरे भारतवर्ष में हॉकी के जादूगर के नाम से जाना जाता है। गत दिवस उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की भाँति पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया। इसी क्रम में महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस को

卐सीआरपीएफ – खेलो इंडिया के रूप में मनाया गया। इस उपलक्ष्य में इस ग्रुप केन्द्र के केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल एबी रोड नया गाँव पनिहार ग्वालियर में राष्ट्रीय खेल दिवस को सीआरपीएफ – खेलो इंडिया के बैनर तले कोविड–सेफ–3–ए–साईड बॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। इस खेल का आयोजन श्री रजनीश अहलावत, कमांडेंट ग्रुप सेंटर की अध्यक्षता में किया गया तथा खेल प्रतियोगिता में विजेता तथा उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को अध्यक्ष द्वारा उचित पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

रोजगार सेतु पोर्टल पर प्रवासी मजदूरों को पुनः पंजीयन का अवसर

ग्वालियर। शासन द्वारा प्रवासी मजदूरों को उनके कौशल तथा अनुभव के अनुरूप रोजगार का अवसर देने के लिए रोजगार सेतु पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल में प्रवासी मजदूरों का पंजीयन पूर्व में कराया जा चुका है। जो प्रवासी मजदूर पंजीयन से शेष बचे हैं उन्हें 7 से 11 सितम्बर तक पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा दी जा रही है। इस संबंध में प्रमुख सचिव श्रम ने सभी कलेक्टरों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी शेष बचे प्रवासी मजदूरों का 7 से 11 सितम्बर के बीच अनिवार्य रूप से पंजीयन करायें।

पूर्व विधायक गोयल ने प्रतिमा स्थल का निरीक्षण किया

ग्वालियर। पिछले कई वर्षों से सेन समाज की तमन्ना थी जो अब पूरी होने जा रही है बड़ी प्रसन्नता का विषय है भगवान सेन महाराज जी की मूर्ति रोशनी घर पार्क में स्थापित होने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एवं प्रशासन ने 7 दिवस के अंदर सभी प्रकार की एनओसी एवं प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की, इसके लिए प्रशासन बधाई का पात्र है। उक्त बात आज पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने प्रतिमा स्थल का

निरीक्षण के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। इस अवसर पर मूर्तिकार प्रभात राय , सम्भागीय मीडिया प्रभारी पवन कुमार सेन, प्रवेश श्रीवास और रामचरण श्रीवास उपस्थित थे। गोयल ने कहा जल्द ही भगवान सेन महाराज की मूर्ति का अनावरण बहुत ही भव्य तरीके से किया जायेगा। भगवान सेन महाराज की मूर्ति की स्थापना को लेकर सेन समाज में हर्ष है, मैं सेन समाज को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं अति शीघ्र मूर्ति स्थापना का कार्य प्रारंभ होकर आगामी कुछ ही दिनों में मूर्ति के अनावरण पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पवन सविता, ब्रजेश श्रीवास, लाले श्रीवास, राहुल कोटिया, कुलदीप श्रीवास, केशव ओमप्रकाश सविता, राजू श्रीवास, निक्की श्रीवास सहित समाज बन्धु उपस्थित रहे।

सती विहार एवं राधा विहार में 47 लाख की लागत से विद्युतीकरण कार्य का वर्चुअल तरीके से किया भूमिपूजन

विद्युतीकरण से पिछड़ी बस्तियों में विकास को गति मिलेगी - ऊर्जा मंत्री तोमर

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वर्चुअल तरीके से आज उपनगर ग्वालियर स्थित सती विहार एवं राधा विहार में 47 लाख की लागत से होने वाले विद्युतिकरण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्युतीकरण का यह कार्य तेजी से पूर्ण कराया जाएगा। इस क्षेत्र में विद्युतीकरण का काम होते ही हर घर की बिजली समस्या हल हो जाएगी। साथ ही विकास को गति मिलेगी और खुशियों का उजाला फैलेगा। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार पूरी शिद्दत के साथ हर घर तक बिजली पहुंचाने में जुटी है। उन्होंने कहा सती बिहार व राधा विहार कॉलोनी में बिजली की काफी समस्या बनी हुई थी। बिजली की बेहतर व्यवस्था न होने से अप्रिय घटनाएं भी हो जाती थीं। पूर्ण विद्युतीकरण से इस समस्या का समाधान हो जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सती विहार में 19 लाख

36 हजार रूपये एवं राधा विहार में 27 लाख 64 हजार रूपये की लागत से होने वाले विद्युतीकरण कार्य का भूमि पूजन किया। मंत्री श्री तोमर ने इस अवसर पर यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ने हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए एक किलोवाट तक के बिजली के बिल 31 अगस्त तक के बिल फ्रीज कर दिये गए हैं। आपको सितम्बर का बिल ही दिया जायेगा, पिछला बकाया जोडकर नही दिया जायेगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि पीताम्बरा कॉलोनी, झलकारी बाई कॉलेज, किरार कॉलोनी, दीनदयाल नगर के पीछे की बस्तियों में बिजली की समस्या बनी हुई थी। इन समस्याओं को देखते हुए विद्युतीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। साथ ही अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि क्षेत्र में उपभोक्ताओं को विद्युत से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या नही आनी चाहिए। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि क्षेत्र का विकास अब रूकने वाला नही है। उन्होंने कहा कि चार शहर का नाके से सागर ताल रोड, गांधी रोड जैसी चमकती हुई दिखेगी। इस सड़क पर डिवाईडर का कार्य चल रहा है। इसके बाद विद्युतीकरण किया जायेगा। बरसात के बाद डामरीकरण का कार्य सुचारू रूप से चालू हो जाएगा। पानी की समस्या के निदान के लिए अमृत योजना के तहत पानी की लाईन डाली जा रही है। साथ ही नलकूप भी खनित किये जा रहे हैं, जिससे पानी की समस्या का निदान हो जायेगा। भूमि पूजन के अवसर पर विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक तथा वर्चुअल सर्वश्री ब्रजमोहन शर्मा, श्री राघवेन्द्र तोमर, श्री भानू जादौन, श्री धर्मेन्द्र भदौरिया, श्री जगन्नाथ सिंह एवं श्री राजेश सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

विद्युत उप केंद्र बनने से होगा लो वोल्टेज की समस्या का निदान - तोमर

ग्वालियर। प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रधुम्न सिंह तोमर ने वर्चुअल रैली के माध्यम से बिरला नगर उपकेन्द्र का लोकार्पण करते हुए कहा कि आम जन की सुविधा एवं समस्याओं के त्वरित निदान के लिए बिरला नगर उपकेन्द्र बनाया गया है। इस केन्द्र से 10115 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। बिरला नगर उपकेन्द्र को लगभग 5 लाख की लागत से बनाया गया है। यह उपकेंद्र बनने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या से मुक्ति मिलेगी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बिरला नगर उपकेन्द्र का लोकार्पण करते हुए कहा कि तानसेन जोन में उपभोक्ता अधिक हो जाने के कारण समस्याओं का निदान जल्द नही हो पा रहा था, साथ ही बिल जमा करने के लिए लम्बी–लम्बी कतारें लग जाती थीं और तानसेन नगर दूर पडता था। इन्ही समस्याओं को देखते हुए बिरला नगर उपकेन्द्र बनाया गया है। उपकेन्द्र पास में ही बन जाने से सभी उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। इसीलिए तानसेन जोन को दो भागों मे बांटा जा रहा है।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।

हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207

नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

Pro- Bipin Singh Tomar
9301759475 9713253992
Mail-Vipintomar172@gmail.com

Somya Advertise & Marketing Service

Boost Your Business In Lockdow
Promote Your Business & Generate Leads

- Bulk Sms & Voice call Marketing
- Bulk Whatsapp Sender
- Digital Marketing
- Door To Door Marketing
- Flex And Pritning & Printing Media
- E. media, FM Redio

Add- Radha Krishna Plaza Near By Police Choki Sabji Mandi Pinto Park Gwalior (M.P.)

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478